MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 03 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-301

नाच न जाने... आँगन टेढ़ा!

शाह ने राहुल को दी बहस की चुनौती



हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच शाह ने राहुल गांधी को संसद का विशेष सत्र बुलाकर बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, राहुल गांधी सामने आएं। गृह मंत्री ने दावा किया कि करीब तीन करोड़ मतदाताओं की मौत हो चुकी है और सवाल उठाया कि जब वे जीवित ही नहीं हैं तो उनका वोट कौन डालेगा? कांग्रेस पर फर्जी वोटिंग के जरिए चुनाव जीतने का आरोप लगाते हुए उन्होंने तंज कसा, नाच न जाने तो आंगन टेढ़ा।

अमित शाह ने विपक्ष के उस आरोप पर सवाल उठाया, जिसमें एसआईआर के दौरान करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने की बात कही गई है। गृह मंत्री ने इन आंकड़ों का ब्योरा देते हुए कहा कि करीब 6.25 करोड़ मतदाता नए पते पर चले गए हैं, लगभग तीन करोड़ लोगों की मृत्यु हो चुकी है और करीब एक करोड़ नाम डुप्लीकेट हैं। उन्होंने दावा किया कि बाकी तीन करोड़ ऐसे लोग हैं, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है और वे बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं।

शाह ने कहा, तीन करोड़ ऐसे हैं जिनकी मृत्यु हो गई है। अब जिनकी मृत्यु हो गई है, उसका वोट हटाना चाहिए कि नहीं? राहुल जी जो है नहीं, उनका वोट कौन आकर देगा? कांग्रेस पार्टी बोगस वोटिंग करके चुनाव जीतना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर एक व्यक्ति के नाम पर दो वोट दर्ज हैं तो उनमें से एक को हटाया जाना चाहिए। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मतदाता सूची के पुनरीक्षण का विरोध इसलिए कर रही है, क्योंकि वह अवैध घुसपैठियों को बचाना चाहती है।

संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार, राहुल गांधी आएं

एसआईआर पर विपक्ष के विरोध का जवाब देते हुए अमित शाह ने राहुल गांधी को संसद में खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को भी तैयार है।

गृह मंत्री ने कहा, मैं आपको चुनौती देता हूं... हम संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं... आइए, चर्चा करें।

शाह का यह बयान राहुल गांधी की दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई बड़ी रैली के एक दिन बाद आया है। कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार आरोप लगा रहे हैं कि एसआईआर के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा का कहना है कि मतदाता सूची से मृतकों, डुप्लीकेट नामों और अवैध रूप से दर्ज मतदाताओं को हटाना जरूरी है।

ईवीएम पर कांग्रेस को घेरा, रेवंत रेड्डी का लिया नाम

गृह मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर विपक्ष की आलोचना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अगर ईवीएम पर भरोसा नहीं है तो तेलंगाना में रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री कैसे बने? उन्होंने केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की चुनावी जीत का भी जिक्र किया। शाह ने पूछा कि जब विपक्षी दल चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम पर सवाल क्यों नहीं उठाते? इसी दौरान उन्होंने हिंदी की कहावत नाचना न आए तो आंगन टेढ़ा का इस्तेमाल करते हुए विपक्ष पर चुनावी हार का ठीकरा व्यवस्था पर फोड़ने का आरोप लगाया। ▶8पर

मोदी विदेशी हाथ!

राहुल गाँधी ने पीएम को ललकारा



नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर विदेशी मदद से सत्ता में बने रहने का आरोप लगाया है। साथ ही, उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती भी दे डाली है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने। और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, आपकी आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण में और समर्थन से है। विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह आपके साथ खड़ा है।

इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं...

इस पोस्ट में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा, मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए। हालांकि, राहुल गांधी ने आगे ये भी दावा किया कि पीएम इस बहस के लिए कभी सामने नहीं आएंगे। उन्होंने लिखा, आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं।

पीएम के राष्ट्रीय एकता दिवस के बयान पर पलटवार

राहुल गांधी का ये बयान दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस हालिया बयान पर पलटवार है, जो उन्होंने गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर दिया था। उस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि कुछ ताकतें देश को बांटने की कोशिश कर रही हैं। ▶8पर

हाईकोर्ट ने फटकारा, एक्टर बोला-सो सॉरी

इमरान की ऐसी-तैसी



मुंबई, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

अभिनेता इमरान खान ने एंटी-एसआईआर प्रदर्शन में शिरकत करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने कोर्ट में हलफनामा देकर कहा है कि वे भारत में किसी विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं लेंगे। अदालत ने इमरान खान को कड़ी फटकार लगाई है। सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेता इमरान खान को याद दिलाया कि वे एक अमेरिकी नागरिक हैं, जिनके पास ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड है, और इसलिए वे एक भारतीय नागरिक की तरह व्यवहार नहीं कर सकते। बेंच ने ऐसे प्रदर्शनों में उनके शामिल होने के अधिकार पर सवाल उठाया और उदाहरण दिया कि अगर कोई भारतीय नागरिक अमेरिका में किसी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेता, तो उसके साथ कैसा बर्ताव किया जाता।

अदालत ने कहा, आप ओसीआई कार्ड धारक हैं। आप एक भारतीय नागरिक की तरह व्यवहार नहीं कर सकते। आपको एसआईआर के बारे में कुछ भी कहने का अधिकार नहीं है। आपको इसमें शामिल होने का कोई हक नहीं था। आपको अदालत में एक स्पष्ट लिखित वचन (अंडरटेकिंग) देना होगा।

जब खान की ओर से पेश वरिष्ठ वकील वेंकटेश धोंड ने बताया कि 42 साल के अभिनेता ने अपना पूरा जीवन भारत में बिताया है और उन्हें जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिली हुई है, तो अदालत ने जोर देकर कहा कि इसके बावजूद वह भारतीय नागरिक नहीं हैं। जाहिर है, क्योंकि आप भारतीय नागरिक नहीं हैं। सोचिए, अगर कोई भारतीय नागरिक किसी दूसरे देश में, उदाहरण के लिए आपके देश अमेरिका में इस तरह का विरोध प्रदर्शन करे, तो क्या होगा? उस भारतीय नागरिक को तुरंत अगली ही फ्लाइट से वापस उसके देश भेज दिया जाता, अदालत ने टिप्पणी की।

अदालत ने इमरान खान से एक बात और कही, आप बचपन से ही यहां रह रहे हैं। ▶8पर

दीया बुझा दिया!

मुंबई की मेयर ने अभिनेत्री को हटाया

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

पर्यावरण और वायु प्रदूषण के मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। प्रदूषण-मुक्त दिवाली का संदेश देने के लिए जारी किए गए उनके वीडियो ने राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है। पहले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने उनके अभियान पर सवाल उठाए और अब मुंबई की महापौर रितू तावड़े ने अभिनेत्री के खिलाफ बड़ा ऐलान किया है। महापौर ने स्पष्ट कहा है कि दीया मिर्जा को अब बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कार्यक्रमों और अभियानों में शामिल नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, उन्होंने बीएमसी के आधिकारिक पोर्टल से वीडियो हटाए जाने को अभिनेत्री के लिए एक सबक भी बताया।

बिना मंजूरी अपलोड हुआ वीडियो

प्रेस कॉन्फ्रेंस में रितू तावड़े ने कहा कि सार्वजनिक जागरूकता अभियान में किसी अभिनेता या अभिनेत्री को शामिल करने से पहले महापौर को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी। उनके अनुसार, वीडियो से संबंधित



सूची मंजूरी के लिए उनके पास आई ही नहीं और इसे सीधे मायबीएमसी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह एक महिला होने के नाते दूसरी महिला का समर्थन नहीं करेंगी, तो महापौर ने कहा कि वह महिलाओं का समर्थन जरूर करती हैं, लेकिन मुंबई की सेवा करने के साथ-साथ हिंदुत्व के लिए भी काम करती हैं। तावड़े ने कहा कि यदि कोई हिंदुत्व के खिलाफ बयान देता है तो फिर सामने चाहे कोई भी हो, उसे उनका समर्थन नहीं मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसी प्रशासनिक गलतियां नहीं होंगी। महापौर ने स्पष्ट किया कि दीया मिर्जा को बीएमसी के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं किया जाएगा और विशेष रूप से आधिकारिक बीएमसी पोर्टल पर तो बिल्कुल भी स्थान नहीं मिलेगा।

हिंदुत्व विरोधी बयान का आरोप

महापौर रितू तावड़े ने कहा कि दीया मिर्जा का नाम प्रशासनिक गलती के कारण अभियान में शामिल किया गया था। यह फैसला उन्हें जानकारी दिए बिना लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दीया मिर्जा ने नर्मदा परियोजना का विरोध किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी बयान दिए हैं। उनके अनुसार, अभिनेत्री हिंदुत्व के खिलाफ बोलती हैं। तावड़े ने कहा कि हिंदुओं को दिवाली कैसे मनानी चाहिए, यह सिखाने के लिए दीया मिर्जा की जरूरत नहीं है। लोगों को अपने पसंदीदा कलाकारों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनका विरोध जारी रहेगा। विवाद बढ़ने के बाद दीया मिर्जा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में अभिनेत्री ने सवाल उठाया कि आखिर उस वीडियो की आलोचना क्यों की जा रही है, जिसे उन्होंने बंबई उच्च न्यायालय ▶8पर

संघ के पथ संचलन में श्रीधर वेम्बू



नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो के संस्थापक और मुख्य वैज्ञानिक श्रीधर वेम्बू रविवार को तमिलनाडु के तेनकासी जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन में शामिल हुए। वेम्बू शंकरनकोविल में आयोजित पथ संचलन में हिस्सा लेने वाले प्रमुख लोगों में शामिल थे। यह आयोजन संगठन के विजयादशमी समारोहों के तहत तमिलनाडु के 100 से अधिक स्थानों पर किया गया था।

1 नवंबर को आयोजित यह कार्यक्रम इस अभियान का दूसरा और अंतिम चरण था। इससे पहले 25 अक्टूबर को राज्य के कुछ हिस्सों में पथ संचलन का एक चरण आयोजित किया गया था।

भारतीय जनता पार्टी के तेनकासी जिला अध्यक्ष और उद्यमी अनंतन अय्यासामी ने सामाजिक माध्यम एक्स पर वेम्बू की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वे शंकरनकोविल में आयोजित पथ संचलन में हिस्सा लेते दिखाई दे रहे हैं।तस्वीरों के साथ साझा की गई पोस्ट में अय्यासामी ने कहा कि उन्हें वेम्बू तथा भारतीय जनता पार्टी के ▶8पर

गाँधी परिवार से तौबा

झोटा के पिता का बयान, राहुल दौरा रद्द



चंडीगढ़, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बाद जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी झोटा के परिवार से मिलने जाने वाले थे। लेकिन दिवंगत परविंदर के पिता भीम सिंह ने उनसे प्रदर्शन स्थल पर न आने की अपील की है।

मानसा में चल रहे धरने को संबोधित करते हुए भीम सिंह ने कहा कि राहुल गांधी से उनकी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी या अच्छा-बुरा रिश्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नेहरू-गांधी और इंदिरा गांधी के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। इसलिए वो हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि राहुल गांधी या उस परिवार का कोई भी सदस्य न तो प्रदर्शन स्थल पर आए और न ही परिवार के पास आए। इसके साथ ही उन्होंने बेअंत सिंह के परिवार और पूर्व कांग्रेसी तथा भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू से भी इस मोर्चे से दूर रहने के लिए कहा है।

अपने इस फैसले का कारण बताते हुए भीम सिंह ने इसे अपने सिख धर्म और पंथ से जोड़ा। ▶8पर

धीरेन्द्र शास्त्री मूर्ख!

दिग्विजय-लक्ष्मण एक सुर, बेटा अनुयायी



गुना, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान को लेकर जारी विवाद के बीच राघौगढ़ राजपरिवार के भीतर अलग-अलग राय सामने आई है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने धीरेंद्र शास्त्री पर तीखी टिप्पणी करते हुए उन्हें मूर्ख करार दिया है। वहीं, उनके छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने कथावाचक के बहिष्कार की अपील की है। दूसरी ओर, दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह और उनका परिवार धीरेंद्र शास्त्री के अनुयायी बताए जाते हैं।दिग्विजय सिंह इन दिनों सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा निकाल रहे हैं। इसी दौरान उनसे कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने शास्त्री को मूर्ख बताते हुए सवाल किया कि वह कब से बाबा बन गए।इस दौरान दिग्विजय सिंह के साथ मौजूद कंप्यूटर बाबा ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री को राजनीतिक बाबा बताया और कहा कि उन पर टिप्पणी करने से क्या होगा। ▶8पर

नौसेना पराक्रमी

समुद्री लुटेरों से छुड़ाया जहाज़



नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में एक बड़ा बचाव अभियान सफलतापूर्वक पूरा करते हुए समुद्री लुटेरों के कब्जे में फंसे मछली पकड़ने वाले जहाज अज़ीनी के सभी 20 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। यह जहाज मुंबई से 3,000 किलोमीटर से अधिक दूरी पर समुद्री लुटेरों के कब्जे में था। इस अभियान को पूरा करने में नौसेना को 48 घंटे लगे।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सामाजिक माध्यम एक्स पर पोस्ट कर इस सफल अभियान की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय नौसेना को इस कामयाबी के लिए बधाई दी। रक्षा मंत्री ने बताया कि भारतीय वायु सेना की सहायता से भारी हथियारों से लैस समुद्री लुटेरों के चंगुल से जहाज और उसके चालक दल को मुक्त कराया गया। अरब सागर में जहाज को सुरक्षित रूप से समुद्री लुटेरों के कब्जे से छुड़ा लिया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जवानों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत समुद्र में फंसे लोगों की जान बचाने और ▶8पर



दुनिया के सबसे बड़े निवेशक वारेन बफेट ने 48 साल से नहीं पीया पानी

यह चौंकाने वाला खुलासा पाडकास्ट में किया गया, बेटी की डाक्यूमेंट्री में भी जिक्र

वाशिंगटन

दुनिया के सबसे महान निवेशकों में शुमार 96 साल के वारेन बफेट बीते 48 सालों से सादा पानी नहीं पीते हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा एक पाडकास्ट में किया गया, जिसमें बताया गया कि एक बार बफेट को डिनर पर सादा या सोडा वाटर आफर किया गया, तो उन्होंने मना करते हुए कहा मैंने पिछले 48 सालों से पानी नहीं पिया है। यह बात केवल एक स्रोत तक सीमित नहीं है, बल्कि खुद बफेट की बेटी सूजी बफेट ने भी एक डाक्यूमेंट्री में इसका जिक्र किया है, जिससे इस दावे को और बल मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब सवाल उठता है कि यदि वारेन बफेट पानी नहीं पीते, तो उनकी प्यास कैसे बुझती है वह सादे पानी की जगह बफेट कोका-कोला पीते हैं। वह हर रोज करीब पांच कैन कोका-कोला का सेवन करते हैं, जिसमें उन्हें चेरी कोक विशेष रूप से पसंद है। बफेट मजाक में अक्सर यह कहते हैं कि उनका शरीर एक-चौथाई कोका-कोला से बना है, क्योंकि उनकी रोज की 2,700 कैलोरी का करीब 25 फीसदी हिस्सा इसी ड्रिंक से आता है। रिपोर्ट के मुताबिक बफेट का कोका-कोला के प्रति प्रेम सिर्फ स्वाद तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका उनके निवेश से भी गहरा कनेक्शन है। 1980 के दशक से पहले वह पेप्सी पीते थे, जिसके कारण उनका बेटा उन्हें पेप्सी वारेन कहकर बुलाता था, लेकिन 1985 में उनके एक पड़ोसी, जो कोका-कोला के अधिकारी थे उन्होंने उन्हें चेरी कोक का सैंपल भेजा। इसके बाद बफेट इसके ऐसे दीवाने हुए कि 1986 में उन्होंने इसे अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे की बैठकों का आधिकारिक पेय घोषित कर दिया। इसके ठीक दो साल बाद 1988 में बर्कशायर हैथवे ने कोका-कोला कंपनी में भारी निवेश करना शुरू किया। उन्होंने करीब 1.3 अरब डालर खर्च करके कोका-कोला के 400 मिलियन शेयर यानी कंपनी में करीब 9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। बफेट के इस कदम ने निवेशकों को यह संदेश दिया कि पैसा उसी बिजनेस में लगाओ, जिसे तुम अच्छी तरह से समझते हो। कोका-कोला से बफेट को तगड़ी कमाई भी होती है। कंपनी ने फरवरी में अपने तिमाही डिविडेंड को बढ़ाकर 0.53 डालर प्रति शेयर कर दिया। चूंकि बर्कशायर हैथवे के पास कोका-कोला के कुल 400 मिलियन शेयर हैं, इस हिसाब से बर्कशायर को कोका-कोला से सालाना करीब 848 मिलियन डालर यानी करीब 7,100 करोड़ रुपए का पैसिव डिविडेंड मिल रहा है। कोका-कोला को शेयर बाजार में डिविडेंड किंग के नाम से जाना जाता है, जो लगातार 64 सालों से हर साल अपने डिविडेंड में बढ़ोतरी करता आ रहा है। यही कारण है कि बफेट को बिना कुछ किए भी कंपनी से अपने आप मोटा मुनाफा होता रहता है, जो उनके चतुर निवेश का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

न्यूज ब्रीफ

यूक्रेन संघर्ष के बावजूद रूस के साथ संबंधों की बुनियाद नहीं बदली: इजरायली राजदूत



मास्को। इजरायल में रूस के राजदूत ओडेड जोसेफ ने कहा है कि यूक्रेन संघर्ष के बावजूद रूस और इजरायल के बीच द्विपक्षीय संबंधों की बुनियाद में कोई बदलाव नहीं आया है। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर मतभेद होने के बावजूद आपसी सम्मान और संवाद की परंपरा कायम है। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती को दिए एक साक्षात्कार में राजदूत ओडेड जोसेफ ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष का दोनों देशों के संबंधों पर असर जरूर पड़ा है, लेकिन इससे रिश्तों की मूल भावना प्रभावित नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों की बुनियाद नहीं बदली है। यह आपसी सम्मान पर आधारित है। जोसेफ ने स्पष्ट किया कि इजरायल रूस की नीतियों के सभी पहलुओं से सहमत नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उसने मास्को के साथ बातचीत के रास्ते बंद नहीं किए हैं। दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद भी जारी है। इजरायली राजदूत ने कहा कि इजरायल की स्थापना के समय से ही रूस के साथ उसके संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं और यह महत्व आज भी बरकरार है। फिलहाल, उनके इस बयान को यूक्रेन संघर्ष के बीच रूस और इजरायल के बीच कूटनीतिक संबंधों को बनाए रखने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

नेपाल : बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों को हेलीकाप्टर से सुरक्षित निकाला गया



काठमांडू। नेपाल के ऊपरी डोल्पा में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को हेलीकाप्टर की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। बर्फबारी के कारण एक नवंबर से इन पर्यटकों का संपर्क टूट गया था। हेलीकाप्टर से उनका रेस्क्यू किया गया। उड़ान भरने वाले हेलीकाप्टर ने सबसे पहले दोनों महिलाओं को सुरक्षित निकालकर जिला मुख्यालय दुनै पहुंचाया। उनकी स्वास्थ्य स्थिति सामान्य थी। इसके बाद हेलीकाप्टर दोबारा घटनास्थल पर पहुंचा और शेष चार पुरुषों को भी सुरक्षित निकाल लिया। डोल्पा की प्रमुख जिला अधिकारी जुनु हमाल ढकाल ने सभी छह भारतीय पर्यटकों के सुरक्षित रेस्क्यू की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सभी की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य है। जिला प्रशासन कार्यालय, डोल्पा को एक नवंबर को सूचना मिली थी कि बर्फबारी के कारण पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्हें निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन प्रतिकूल मौसम और हेलीकाप्टर की व्यवस्था करने में कठिनाइयों के कारण रेस्क्यू अभियान में देरी हुई। जिला प्रशासन कार्यालय ने कहा कि भारतीय पर्यटकों ने आवश्यक प्रशासनिक अनुमति लिए बिना ही ऊपरी डोल्पा की यात्रा की थी। ये पर्यटक डोल्पो बुद्ध धो से शे-फोक्सुंडो स्थित फोक्सुंडो झील की ओर लौटते समय नुमला और वागला दर्रों के आसपास फंस गए थे। प्रतिकूल मौसम और भारी बर्फबारी को देखते हुए प्रशासन और स्थानीय लोगों ने पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा नहीं करने की सलाह दी थी। हालांकि, आवश्यक अनुमति लिए बिना जोखिम भरा रास्ता अपनाने के कारण पर्यटकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों की बैठक, प्रेस की आजादी और संविधान पर हमले के मुद्दे पर होगी चर्चा



काठमांडू। नेपाल की प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार की मनमानी, प्रेस की स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप और संविधान पर हमले समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए विपक्षी दलों की बैठक बुलाई है। कांग्रेस संसदीय दल के नेता भीष्मराज आड्देम्बे के आह्वान पर सिंहदरबार स्थित संसदीय दल के कार्यालय में बैठक होगी। बैठक में नेकपा एमाले, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी), श्रम संस्कृति पार्टी (एसएसपी) और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) को आमंत्रित किया गया है। आड्देम्बे के अनुसार, बैठक में सरकार की जवाबदेही, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की भूमिका, पत्रकारों की गिरफ्तारी और मीडिया संस्थानों में पुलिस की तैनाती जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा विभिन्न घटनाओं की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। वहीं, नेपाली कांग्रेस संसदीय दल की बैठक भी होगी। सिंहदरबार स्थित पार्टी कार्यालय में यह बैठक निर्धारित है।

नेपाल में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों पर महाभियोग को लेकर सत्तारूढ़ आरएसपी में मतभेद

काठमांडू

नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के आचरण पर सवाल उठने के बाद उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने को लेकर आंतरिक चर्चा कर रही है। हालांकि, पार्टी ने अभी तक आगे की कार्रवाई को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।



आरएसपी के प्रवक्ता जगदीश खरेल ने कहा कि न्यायपालिका से जुड़े मुद्दों का समाधान संसद के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि पूरे न्यायिक क्षेत्र का पुनर्गठन करना है, तो इसके लिए संसद ही संवैधानिक माध्यम है। प्रक्रिया संसद के जरिए आगे बढ़नी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और विवादित व्यक्ति इनम सापकोटा के बीच संबंधों तथा संदेशों के आदान-प्रदान का खुलासा होने के बाद सवाल उठने लगे हैं।

बताया जा रहा है कि सापकोटा के मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, अन्य न्यायाधीशों तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ संवाद और वित्तीय लेनदेन से जुड़ी जानकारियां सामने आई हैं। इसके अलावा सात न्यायाधीशों के एक साथ सापकोटा से मिलने की खबरें भी आई हैं।

इसी पृष्ठभूमि में सत्तारूढ़ आरएसपी औपचारिक और अनौपचारिक रूप से आगे की कार्रवाई के विकल्पों पर चर्चा कर रही है।

नेपाल के संविधान की धारा 101(2) के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों, न्याय परिषद के सदस्यों तथा संवैधानिक निकायों के प्रमुखों और पदाधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के दो तरीके हैं।

पहला तरीका प्रतिनिधि सभा के कुल सदस्यों के एक-चौथाई द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पेश करना है।दूसरा तरीका महाभियोग सिफारिश समिति के माध्यम से जांच शुरू करना है। इस प्रक्रिया के तहत कम से कम तीन सांसदों को महाभियोग की मांग करते हुए सूचना देनी होती है। इसके बाद समिति मामले की जांच करती है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होती है।

संसद में महाभियोग की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू होते ही संबंधित पदाधिकारी जांच प्रक्रिया पूरी होने तक अपने पद के कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर सकते। यह पहला रास्ता है। इस प्रक्रिया के तहत संसद में महाभियोग की कार्यवाही शुरू होने पर संबंधित व्यक्ति को अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन से रोक दिया जाता है।

हालांकि, संविधान में यह स्पष्ट नहीं है कि दूसरे रास्ते के तहत प्रक्रिया शुरू होने पर संबंधित पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन जारी रख सकते हैं या नहीं। यानी जब कम से कम तीन सांसद महाभियोग की मांग करते हुए सूचना देते हैं और महाभियोग सिफारिश समिति जांच शुरू करती है, तब क्या स्थिति होगी, इस पर स्पष्ट प्रावधान नहीं है।

आरएसपी के सांसद इस बात पर बंटे हुए हैं कि पार्टी को संविधान में दिए गए दोनों विकल्पों में से किस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। पार्टी के भीतर चर्चा में मोटे तौर पर दो विचार सामने आए हैं—एक सख्त कार्रवाई के पक्ष में और दूसरा सतर्कता बरतने के पक्ष में।

सख्त कार्रवाई के पक्षधर सांसदों का कहना है कि जिन न्यायाधीशों के आचरण पर सवाल उठे हैं, उनके खिलाफ तत्काल कम से कम एक-चौथाई सांसदों को महाभियोग प्रस्ताव पेश करना चाहिए।

इस पक्ष का समर्थन करने वाले एक आरएसपी सांसद ने कहा, महाभियोग प्रस्ताव ही पेश किया जाना चाहिए। यदि हम जांच या अन्य उपायों का विकल्प चुनकर नरम रुख अपनाते हैं, तो यह मुद्दा धीरे-धीरे खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, जब यह मुद्दा सामने आया है, तब नरम रुख अपनाने से पूरे न्यायिक क्षेत्र के पुनर्गठन की हमारी कोशिश की दिशा भटक सकती है।

हालांकि, पार्टी के भीतर जल्दबाजी से बचने के पक्ष में भी काफी समर्थन है। आरएसपी सांसद मधु कुमार चौलागाईं का कहना है कि उचित कदम उठाने से पहले पार्टी को सभी साक्ष्यों की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा, अतीत में महाभियोग का इस्तेमाल राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए किया गया था। हम ऐसा नहीं कर रहे हैं।

उनके अनुसार, पार्टी के भीतर यह विचार है कि इस बार शुरू की जाने वाली महाभियोग प्रक्रिया को इस तरह आगे बढ़ाया जाना चाहिए कि उसका स्पष्ट निष्कर्ष निकले। उन्होंने कहा, महाभियोग प्रस्ताव लाने से पहले हमें सभी साक्ष्यों की जांच और मूल्यांकन करना चाहिए तथा एक समिति (महाभियोग सिफारिश समिति) गठित करनी चाहिए। हम इसी रुख का समर्थन करते हैं।

नेपाल के संविधान के मुताबिक महाभियोग प्रस्ताव पारित करने के लिए प्रतिनिधि सभा में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी है।

इजराइल की संसद नेसेट में कुल 120 सदस्य होते हैं, चार साल होता है कार्यकाल



यरुशलम

इजराइल में 4 नवंबर को आम चुनाव के नतीजे आधिकारिक रुप से घोषित किए जाएगें। 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले के बाद से इस क्षेत्र में उत्पन्न राजनीतिक और सामरिक अनिश्चितता के माहौल में इन चुनावों को बेहद अहम माना जा रहा है। इजराइल की संसद को नेसेट कहा जाता है। यह एक सिंगल चैंबर विधायी प्रणाली है, जिसमें कुल 120 सदस्य होते हैं। भारत की तरह इजराइल में कोई दूसरा उच्च सदन मौजूद नहीं है, देश के सभी कानून और विधायी निर्णय इसी 120 सदस्यीय नेसेट द्वारा लिए जाते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संवैधानिक रूप से नेसेट का आधिकारिक कार्यकाल चार साल का तय होता है। हालांकि इजराइल के बहुदलीय और गठबंधन आधारित राजनीतिक ढांचे के कारण संसद अक्सर अपना चार साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाती है और इसे तय समय से पहले भी भंग किया जा सकता है। नेसेट शब्द का अर्थ असेंबली यानी सभा होता है, और इसकी 120 सदस्यों वाली संरचना ईसा पूर्व पांचवीं शताब्दी की प्राचीन यहूदी प्रतिनिधि परिषद से प्रेरित है। इजराइल राष्ट्र की स्थापना के बाद फरवरी 1949 में देश की पहली संसद चुनी गई थी।

इजराइल के इतिहास में आज तक किसी भी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला

इजराइल की चुनावी प्रणाली दुनिया के अन्य देशों से अलग है। चुनाव के लिए पूरे देश को एक ही राष्ट्रीय निर्वाचन क्षेत्र माना जाता है, जहां कोई अलग-अलग भौगोलिक संसदीय सीटें नहीं होती हैं। मतदाता किसी व्यक्तिगत स्थानीय उम्मीदवार को वोट देने के बजाय अपनी पसंद की राजनीतिक पार्टी को वोट देते हैं। चुनाव से पहले हरेक राजनीतिक दल उम्मीदवारों की एक प्राथमिकता सूची जारी करता है। राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त कुल वोटों के अनुपात के आधार पर पार्टियों को संसद में सीटें दी जाती हैं। हालांकि संसद में प्रवेश पाने के लिए किसी भी पार्टी को कुल वोट का कम से कम 3.25 फीसदी हासिल करना जरुरी होता है।

नेसेट में सरकार बनाने या बहुमत साबित करने के लिए कम से कम 61 सीटों की जरुरत होती है। इजराइल के इतिहास में आज तक किसी भी एकल पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, जिसके कारण हमेशा गठबंधन सरकारें ही बनी हैं। चुनाव के बाद राष्ट्रपति उस नेता को पीएम पद की शपथ और सरकार बनाने का आमंत्रण देते हैं जिसके पास 61 सांसदों का समर्थन होता है।

वैज्ञानिकों ने सुलझाया डेथ वैली में पत्थरों के खिसकने का रहस्य



न्यूयार्क। अमेरिका का डेथ वैली नेशनल पार्क का सूखा मैदान हैरतअंगेज प्राकृतिक घटना के लिए मशहूर है। कैलिफोर्निया स्थित इस नेशनल पार्क में विशाल पत्थर अपनी जगह से खिसकते हैं और पीछे मिट्टी पर लंबी-लंबी लकीरें छोड़ जाते हैं। बिना किसी बाहरी धक्के या इंसानी दखल के इन भारी पत्थरों का चलना लंबे समय से एक रहस्य बना हुआ था, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इस पहेली को सुलझा लिया है। इसका जवाब किसी जादुई ताकत में नहीं, बल्कि पानी, बर्फ और हवा के एक अनोखे मेल में छिपा है। यह घटना पार्क के रेसट्रैक प्लाया नामक स्थान पर होती है, जो कभी एक झील का तल हुआ करता था। बारिश के बाद कभी-कभी यहां पानी जमा हो जाता है और सूखने पर इसकी जमीन सपाट और सख्त हो जाती है। इसी मैदान पर अलग-अलग आकार के भारी-भरकम पत्थर पड़े हैं, जिनके पीछे बनी लकीरें स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि वे अपनी जगह से काफी दूर तक खिसक चुके हैं। इस घटना को सेलिंग स्टोन या चलते हुए पत्थर के नाम से जाना जाता है। लंबे समय तक वैज्ञानिक यह सवाल सुलझाते रहे कि आखिर इतनी भारी चट्टानों को कौन सी ताकत आगे बढ़ाती है।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों को पुनर्वास का इंतजार दो माह बाद भी नहीं मिला किराया सहायता

काठमांडू

नेपाल में बाढ़ के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए रसुवा और नुवाकोट के कई परिवार दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी सरकार की ओर से घोषित मासिक किराया सहायता का इंतजार कर रहे हैं।

रसुवा के उत्तरगया स्थित पैरेबेसी का थापा परिवार भी उन परिवारों में शामिल है, जिन्हें बाढ़ में घर गंवाने के बाद किराये के मकानों में रहना पड़ रहा है। पांच परिवारों वाले इस परिवार को सरकार की ओर से घोषित 15 हजार रुपये मासिक किराया सहायता अब तक नहीं मिली है। बाढ़ के कारण परिवार के सदस्य अलग-अलग स्थानों पर बिखर गए हैं। कुछ काठमांडू चले गए, तो कुछ हेटौंडा में रह रहे हैं।

तारा बहादुर थापा ने कहा, मकान मालिक किराया मांगने आते हैं, लेकिन सरकार ने पैसे नहीं दिए हैं। सर्दी शुरू हो गई है और हमें नहीं पता कि अब कहां रहना है।

सरकार ने चार सदस्यों तक वाले विस्थापित परिवारों को 15 हजार रुपये मासिक किराया सहायता देने और बड़े परिवारों को प्रत्येक अतिरिक्त सदस्य के लिए दो हजार रुपये देने की घोषणा की थी। हालांकि, विस्थापित लोगों का कहना है कि दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी उन्हें यह सहायता नहीं मिली है।

थापा ने कहा कि हमें क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों से 15 हजार रुपये और अंतिम संस्कार के खर्च के लिए 25 हजार रुपये मिले हैं। इसके अलावा कुछ नहीं मिला। हर महीने किराया देना पड़ता है। हम पैसे कहां से लाएं सरकार को कम से कम जल्द फैसला करना चाहिए कि हमारा पुनर्वास कहां किया जाएगा।

रसुवा के गोसाइकुंडा के बाढ़ प्रभावित परिवारों ने भी सरकार की किराया सहायता नहीं मिलने की शिकायत की है। स्याफ्रुबेसी निवासी सिंगी धिनदुप तामांग ने कहा, सरकार की ओर से घोषित राशि नहीं आई है। कुछ संगठनों ने पालिका के समन्वय में कुछ परिवारों को दो या तीन महीने तक 15 हजार रुपये



मासिक सहायता दी है।

काठमांडू स्थित येलो मोनास्ट्री में रह रहे स्याफ्रुबेसी के विस्थापित परिवारों को भी यह स्पष्ट नहीं है कि उनका पुनर्वास कहां होगा। तामांग ने कहा, हम कुछ दिन पहले पुनर्वास की संभावनाएं समझने के लिए स्याफ्रुबेसी गए थे। लेकिन लगता है कि सरकार के फैसले के बिना कुछ भी आगे नहीं बढ़ सकता। हमें नहीं पता कि हम कहां रहेंगे। हमारी इच्छा है कि हम स्याफ्रुबेसी में ही रहकर अपना कारोबार जारी रखें।

दक्षिण वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना की जवाबी कार्रवाई से तालिबानी लड़ाके चौकियां छोड़कर भागे

इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। दक्षिण वजीरिस्तान के अंगूर अड्डा इलाके में अफगान तालिबान की सीमा चौकियों से पाकिस्तानी ठिकानों पर कथित तौर पर बिना उकसावे के गोलीबारी की गई। इसके जवाब में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए अफगान सीमा की कई चौकियों, मोर्टार ठिकानों और रक्षात्मक ढांचों को निशाना बनाया। दक्षिण वजीरिस्तान के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) के अनुसार, जवाबी कार्रवाई के बाद अफगान तालिबान के लड़ाके अपनी चौकियां छोड़कर भाग गए।



पाकिस्तान की उर्दू टीवी चैनल दुनिया न्यूज और अंतरराष्ट्रीय मीडिया जिओ न्यूज के मुताबिक, डिप्टी कमिश्नर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अंगूर अड्डा क्षेत्र में अफगान सीमा चौकियों से पाकिस्तानी सुरक्षा ठिकानों पर लगातार गोलीबारी की गई थी। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की।

अधिकारी के मुताबिक, इस गोलीबारी में पाकिस्तानी सीमावर्ती इलाकों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

यह घटनाक्रम 27 अक्टूबर की रात अंगूर अड्डा इलाके में हुई गोलीबारी के कुछ दिनों बाद सामने आया है। पाकिस्तानी अधिकारियों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उस दौरान अफगान तालिबान की ओर से नागरिक घरों और अंगूर अड्डा बाजार को निशाना बनाकर गोलीबारी की गई थी। इस दौरान एक रिहायशी इलाके में मोर्टार का गोला गिरने से एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। गोलाबारी में बाजार की कई दुकानों को भी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अफगान सीमा पर स्थित कई तालिबानी चौकियों को निशाना बनाया। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, इस अभियान में अफगान तालिबान की सात चौकियां नष्ट कर दी गई थीं। पाकिस्तान लंबे समय से अफगान तालिबान शासन पर आरोप लगाता रहा है कि वह प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में हमले करने से नहीं रोक रहा है। इस्लामाबाद ने कई बार काबुल से मांग की है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए न होने दे। दक्षिण वजीरिस्तान में ताजा गोलीबारी की घटना ऐसे समय हुई है, जब दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा और आतंकवाद को लेकर पहले से तनाव बना हुआ है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीज़ों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नज़र आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पड़ेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको बाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफ़ी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ज,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 नवंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी प्रात: 11:56 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 03:27 तक
योग : शुक्ल प्रात: 09:53 तक
करण : गर प्रात: 11:56 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 03:24 तक,भद्रा रात्रि 11:24 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बी.एल. भंडारी बने जितो हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष

वर्ष 2026-28 के लिए नई प्रबंध समिति ने संभाली जिम्मेदारी



अगले आठ वर्षों में देशभर में 10 हजार कमरों की क्षमता वाले छात्रावास बनाने की योजना, 2 हजार करोड़ रुपये होंगे खर्च

जितो का 12 नए देशों में विस्तार करने का लक्ष्य, 700 करोड़ रुपये से अधिक के कोष के साथ व्यापार, शिक्षा, उद्यमिता और समाजसेवा के क्षेत्र में बना रहा है विशिष्ट पहचान

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जितो) के हैदराबाद चैप्टर की वर्ष 2026-28 की नई प्रबंध समिति का पदस्थापना समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बी.एल. भंडारी ने नए अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। नई समिति आगामी दो वर्षों तक संगठन का नेतृत्व करेगी। यह समिति निवर्तमान अध्यक्ष रोहित कोठारी और निवर्तमान मुख्य सचिव ललित चोपड़ा की अगुवाई वाली समिति का स्थान लेगी।

700 करोड़ रुपये से अधिक के कोष के साथ जितो आज एक प्रभावशाली सामुदायिक संगठन के रूप में उभर रहा है। संगठन ने व्यापारिक नेटवर्किंग, आर्थिक सशक्तीकरण, शिक्षा, उद्यमिता, ज्ञान के आदान-प्रदान और परोपकार को एक ही मंच पर जोड़कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। जितो विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जैन व्यापारिक एवं पेशेवर समुदाय को नए अवसर उपलब्ध कराने के साथ समाज के व्यापक हित में भी योगदान दे रहा है।

पदस्थापना समारोह में जितो के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से अध्यक्ष संजय डांगी, उपाध्यक्ष प्रमोद चोरड़िया और जितो एपेक्स के अध्यक्ष हिमांशु शाह सहित कार्यकारी परिषद के अन्य सदस्य एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नई समिति के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनकी उपस्थिति ने राष्ट्रीय नेतृत्व और हैदराबाद चैप्टर के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाया।

नई टीम में पदाधिकारियों की जिम्मेदारी

बी.एल. भंडारी जितो हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष होंगे। चार उपाध्यक्षों के रूप में गौतम सेहलोत, अनिल बोहरा, राहुल पोकरणा और वरुण मुनोत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राहुल सुराणा मुख्य सचिव होंगे। उनके साथ सचिवों के रूप में सुधीर सेठिया, ललित भंडारी, तपस्वी देवड़ा, निखिल शाह और अजीत श्रीश्रीमाल कार्य करेंगे। विशाल अंचलिया को कोषाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि अमित संचेती और राहुल श्यामसुखा संयुक्त कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नवनियुक्त अध्यक्ष बी.एल. भंडारी ने आगामी दो वर्षों के लिए अपनी प्राथमिकताओं और योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि नए अवसरों का सृजन, किफायती आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जितो आवास योजना को प्रोत्साहन देना और संगठन के लिए स्थायी विरासत तैयार करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं रहेंगी। उन्होंने हैदराबाद चैप्टर की वर्तमान सदस्य संख्या 748 से बढ़ाकर 1,008 करने का लक्ष्य घोषित किया। उन्होंने संगठन के विकास में सभी सदस्यों की भागीदारी और समावेशी विकास पर जोर दिया।

शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर

जितो एपेक्स के अध्यक्ष संजय डांगी ने अपने संबोधन में कहा कि जितो ने पिछले वर्षों में एक विश्वसनीय वैश्विक संगठन के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। उन्होंने जैन समाज के अधिक से अधिक लोगों से संगठन से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने सदस्यों के बीच आपसी संपर्क, व्यापारिक संबंधों और सहयोग को बढ़ाने के साथ संगठन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी तथा शिक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि जितो की ओर से जैन युवाओं को शिक्षा के लिए 5 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि समाज की भावी प्रगति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

जितो एपेक्स के पूर्व अध्यक्ष गणपतजी चौधरी ने जितो को विश्वस्तरीय ब्रांड बताते हुए कहा कि संगठन लगातार अपना विस्तार कर रहा है और समाज पर सकारात्मक प्रभाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी कस्बों और शहरों की ओर आ रहे हैं। ऐसे में देशभर में विद्यार्थियों के लिए किफायती आवास की आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

उन्होंने बताया कि जितो एपेक्स अगले आठ वर्षों में देशभर में 10,000 कमरों की क्षमता वाले छात्रावासों के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहा है। इस परियोजना पर अनुमानित 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रति कमरे के निर्माण पर लगभग 20 लाख रुपये की लागत के आधार पर यह अनुमान तैयार किया गया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में युवाओं को सफलता

जितो एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग फाउंडेशन (जेएटीएफ) के अध्यक्ष मयूर जैन ने संगठन की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए जेएटीएफ को जितो का महत्वपूर्ण अंग बताया। उन्होंने कहा कि यह संस्था विशेष रूप से सिविल सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसका उद्देश्य भविष्य के प्रशासनिक अधिकारियों और नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है। उन्होंने बताया कि जेएटीएफ के प्रयासों से अब तक 37 जैन युवा प्रतिष्ठित प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश कर चुके हैं, जबकि इसके 10 अभ्यर्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में शीर्ष 100 में स्थान प्राप्त किया है।

श्रमण आरोग्यम से 10,700 से अधिक साधु-साध्वियों को लाभ

जितो की प्रमुख सेवा परियोजनाओं में श्रमण आरोग्यम देशव्यापी स्वास्थ्य सेवा अभियान है। इसका उद्देश्य भारतभर में सभी संप्रदायों के जैन साधु-साध्वियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। जैन परंपरा के वैयावच्च (सेवा एवं देखभाल) के सिद्धांत पर आधारित इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 10,700 से अधिक साधु-साध्वियों का पंजीकरण किया जा चुका है। इसके माध्यम से 10,850 चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराए गए हैं तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर 96 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।

इस अभियान के तहत कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 12,000 से अधिक अस्पतालों का नेटवर्क तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त 8,000 से अधिक गुरु भगवंतों को विशेष जीवनंद आयुर्वेद केंद्रों के माध्यम से आयुर्वेद, पंचकर्म और फिजियोथेरेपी उपचार का लाभ मिला है।

श्रमण आरोग्यम के अध्यक्ष जसवंत मुनोत ने इन उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि यह परियोजना करुणा, संगठित परोपकार और सेवा के प्रति जितो की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि यह पहल दर्शाती है कि किस प्रकार कोई सामुदायिक संगठन देशव्यापी स्तर पर सुव्यवस्थित स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था विकसित कर सकता है।

20 देशों में जितो का वैश्विक नेटवर्क

जितो के महासचिव हेमंत एन. शाह ने संगठन की विकास यात्रा और अंतरराष्ट्रीय विस्तार योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद में एक चैप्टर से शुरू हुआ जितो आज वैश्विक संगठन बन चुका है। वर्तमान में भारत में इसके 156 चैप्टर और विदेशों में 20 देशों में फैले 38 चैप्टर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि संगठन आने वाले समय में 12 और देशों में अपना विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और मजबूत होगा।

जितो एपेक्स के अध्यक्ष हिमांशु शाह ने कहा कि जितो ने वर्षों की मेहनत से अपनी एक मजबूत ब्रांड पहचान बनाई है। उन्होंने संगठन को 'नेटवर्क का खजाना' बताते हुए कहा कि इसके व्यापक व्यापारिक और पेशेवर संपर्क सदस्यों के लिए बड़ी ताकत और अवसरों का स्रोत हैं।

जितो एपेक्स के उपाध्यक्ष प्रमोद चोरड़िया ने हैदराबाद की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए शहर को 'हीरों का खजाना' बताया। उन्होंने गोलकुंडा के विश्वप्रसिद्ध हीरों के साथ हैदराबाद के ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि यह शहर व्यापार, उद्यमिता और आपसी सहयोग के लिए अनेक अवसर प्रदान करता है।

महिला एवं युवा शाखाओं को भी जिम्मेदारी

जितो हैदराबाद चैप्टर में संगठन की गतिविधियों का विस्तार करने और विभिन्न पीढ़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं युवा शाखाएं भी सक्रिय हैं।

महिला शाखा की अध्यक्ष के रूप में टीना शाह जिम्मेदारी संभालेंगी। यह शाखा महिलाओं के नेतृत्व विकास, आपसी संपर्क, ज्ञान के आदान-प्रदान और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर कार्य करेगी।

युवा शाखा के अध्यक्ष के रूप में आर्किटेक्ट निलेश नाहर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। दर्शन लुनावत मुख्य सचिव और गिरीश बोथरा कोषाध्यक्ष होंगे। युवा शाखा के माध्यम से युवा उद्यमियों और पेशेवरों को संगठन से जोड़ने तथा उनके विकास के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा।

समारोह में जितो के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं कार्यकारी परिषद के सदस्य भी उपस्थित रहे। इनमें जितो एपेक्स के अध्यक्ष संजय डांगी, उपाध्यक्ष प्रमोद चोरड़िया और अध्यक्ष हिमांशु शाह प्रमुख रूप से शामिल थे।

क्षत्रिय राजपूत सभा का 82वां वार्षिक दशहरा सम्मेलन आयोजित



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षत्रिय राजपूत सभा, कुथबीगुड़ा की ओर से रविवार, 1 नवंबर को महाराणा प्रताप फंक्शन हॉल, अंबरपेट में 82वां वार्षिक दशहरा सम्मेलन भव्य रूप से आयोजित किया गया। वर्ष 1944 में स्थापित सभा की 82 वर्षों पुरानी परंपरा के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में तेलंगाना के विभिन्न जिलों से समाज के सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौर, तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य ठाकुर बालाजी सिंह तथा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा तेलंगाना के अध्यक्ष उदय सिंह बायस मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सभा के अध्यक्ष ठाकुर जयवीर सिंह ने संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों एवं अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से क्षत्रिय राजपूत सभा के मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य तेलंगाना के सभी जिलों के राजपूत समाज के सदस्यों को डिजिटल माध्यम से जोड़ना और संगठन की गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराना है।

सभा की ओर से विधवा एवं दिव्यांगों को आर्थिक सहायता, जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, दिवंगत सदस्यों के परिवारों को डेथ फंड तथा वैवाहिक परिचय जैसी सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

सभा के पदाधिकारियों में अध्यक्ष ठाकुर जयवीर सिंह, प्रभारी महामंत्री ठाकुर अरुण सिंह, कोषाध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एवं हरिनाथ सिंह तथा सचिव ठाकुर मुरली मोहन सिंह शामिल हैं। संगठन सचिवों में सुनीता सिंह, सुधीर सिंह, गणेश प्रसाद सिंह एवं नरसिंह भान सिंह शामिल हैं। सह-नामित सदस्य गजानंद सिंह एवं रघुनंदन सिंह, ट्रस्टी पुष्पराज सिंह, मनोहर सिंह, सी.जे. संपत सिंह एवं भरत सिंह तथा महिला विभाग की अध्यक्ष डॉ. शोभा सिंह हैं।

सम्मेलन का समापन समाज में एकता, भाईचारा, संस्कृति संरक्षण और शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास के लिए मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

निस्वार्थ अन्नसेवा से साकार हो रही मानव सेवा की भावना



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध करवाने से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना है। यह कार्य किसी व्यक्तिगत स्वार्थ या प्रसिद्धि के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह निस्वार्थ भाव और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग मिलकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तो छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव का माध्यम बन जाते हैं। अन्नसेवा के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटती है, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग और अपनत्व की भावना भी मजबूत होती है। राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा को अपना सौभाग्य मानकर इस पुनीत कार्य में योगदान दे रहा है। मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसके लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना आवश्यक है। सेवा का वास्तविक आनंद तभी मिलता है, जब हम बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर अन्नसेवा के माध्यम से मानवता की सेवा में जुटा हुआ है।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरसूवाले, पन्नालाल अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल एवं महेश गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने तथा समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का संकल्प व्यक्त किया।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।



उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।



स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।



- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- षण्मुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

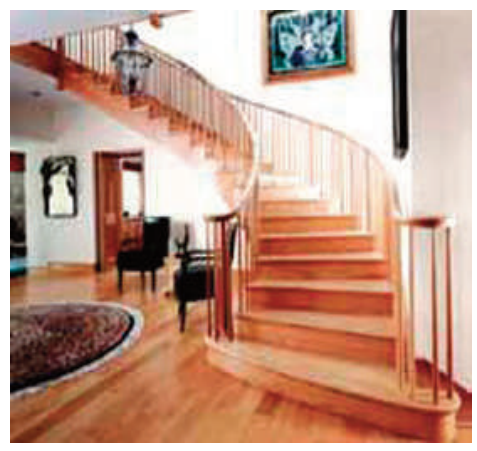
यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु



यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

कैसा हो आपका स्टडी रूम

स्टडी रूम यानी जीवन का अहम् हिस्सा जहाँ यूथ अपना अधिक से अधिक समय बिताते हैं। यदि यह आपको सूट न करे तो बड़ी गड़बड़ हो सकती है और आपका ध्यान पढाई से हट भी सकता है।

स्टडी रूम हमेशा नॉर्थ, ईस्ट या नॉर्थ-ईस्ट में ही होना चाहिए। स्टडी टेबल हमेशा लकड़ी की हो। लोहे का प्रयोग न करें। टेबल की सतह चिकनी हो, खुरदरी न हो। टेबल समतल हो, खुरदरी न हो।

टेबल को कभी दीवार से अलग न रखे नहीं तो एकाग्रता में बाधा आ सकती है। स्टडी टेबल का शेप हमेशा चौकोर हो, गोल टेबल न रखे।

टेबल की हाईट आपकी हाईट के अनुसार ही हो। ताकि आपकी कमर न झुके। पढ़ने बैठते समय आपका मुख नॉर्थ या नॉर्थ-ईस्ट में होना चाहिए। बुक्स को हमेशा अपने राईट साइड में रखे और लाइट को बाएँ तरफ से आने दें। स्टडी टेबल के सामने अपने इष्ट देवता, माता-पिता या किसी महान व्यक्ति की तस्वीर लगा सकते हैं, मगर फिल्म स्टार या बेहूदी फोटो न लगाएँ।

कमरे का और स्टडी टेबल का रंग राशि के अनुसार हो। मेष और वृश्चिक सफेद व पिंक का प्रयोग करें। वृषभ और तुला सफेद-ग्रीन का इस्तेमाल करें। मिथुन और कन्या ग्रीन, सिंह ब्ल्यू, कर्क रेड एवं व्हाइट, धनु-मीन पीले-सुनहरे और मकर-कुंभ ब्ल्यू के सारे शेड्स का प्रयोग करें।

विशेष : स्टडी रूम में कभी भी गहरे रंग, काले रंग का प्रयोग न करें। पानी वाले शो पीस या पानी की तस्वीर जरूर लगाएँ।

सिंदूर भरने के फायदे



भारतीय वैदिक परंपरा खासतौर पर हिंदू समाज में शादी के बाद महिलाओं को मांग में सिंदूर भरना आवश्यक हो जाता है। आधुनिक दौर में अब सिंदूर की जगह कुमकुम और अन्य चीजों ने ले ली है। सवाल यह उठता है कि आखिर सिंदूर ही क्यों लगाया जाता है।

दरअसल इसके पीछे एक बड़ा वैज्ञानिक कारण है। यह मामला पूरी तरह स्वास्थ्य से जुडा है। सिर के उस स्थान पर जहां मांग भरी जाने की परंपरा है, मस्तिष्क की एक महत्वपूर्ण ग्रंथी होती है, जिसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं। यह अत्यंत संवेदनशील भी होती है। यह मांग के स्थान यानी कपाल के अंत से लेकर सिर के मध्य तक होती है। सिंदूर इसलिए लगाया जाता है क्योंकि इसमें पारा नाम की धातु होती है। पारा ब्रह्मरंध्र के लिए औषधि का काम करता है। महिलाओं को तनाव से दूर रखता है और मस्तिष्क हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है।

विवाह के बाद ही मांग इसलिए भरी जाती है क्योंकि विवाह के बाद जब गृहस्थी का दबाव महिला पर आता है तो उसे तनावए चिंता और अनिद्रा जैसी बीमारिया आमतौर पर घेर लेती हैं। पारा एकमात्र ऐसी धातु है जो तरल रूप में रहती है। यह मष्तिष्क के लिए लाकारी है, इस कारण सिंदूर मांग में भरा जाता है।

गणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजा



प्रातर्नमामि चतुराननवन्द्यमानमिच्छानुकूलमखिलं च वरं ददान्,
तं तुन्दिलं द्विरसनाधिपयज्ञसूत्रं पुत्रं विलासचतुरं शिवयो: शिवाय।
प्रातर्भजाम्यभयदं खलु भक्तशोकदावानलं गणविभुं वरकुञ्जरास्य्,
अज्ञानकाननविनाशनहव्यवाहमुत्साहवर्धनमहं सुतमीश्वरस्य।

गणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजागणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजाबुधवार का दिन श्रीगणेश की सेवा का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गणपति की पूजा से सभी दैहिक और भातिक कष्ट दूर होते हैं।

गणपति पूजन का विशेष दिन

वैदिक मान्यताओं के अनुसार श्री गणेश की पूजा का विशेष दिन बुधवार बताया गया है। हालांकि इस दिन बुध ग्रह के लिए भी पूजा की जाती है, क्योंकि बुधवार के स्वामी बुध ग्रह भी है। बुध और गणेश दोनों ही बुद्धि के कारक माने जाते हैं। अत: इस दिन बुद्धि के दाता श्री गणेश की मोदक का भोग लगाकर पूजा करने से ज्ञान का वरदान प्राप्त होता है।

कुंडली में बुद्ध ग्रह की होती है शांति

इसके साथ ही यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में बुध ग्रह अशुभ स्थिति में हो तो उसे बुधवार को गणेश जी को सिंदूर, चंदन, यज्ञोपवीत, दूर्वा, लड्डू या गुड़ से बनी मिठाई का भोग लगाना चाहिए। इसके अलावा इस दिन धूप व दीप से श्री गणेश की आरती करें। साथ ही पूजा के दौरान नीचे दिए मंत्र का जाप भी करें।

इसका अर्थ यह है कि मैं ऐसे देवता का पूजन करता हूं, जिनकी पूजा स्वयं ब्रह्मदेव करते हैं। जो मनोरथ सिद्धि करने वाले हैं, भय दूर करने वाले हैं, शोक का नाश करने वाले हैं, गुणों के नायक हैं, गजमुख हैं, अज्ञान का नाश करने वाले हैं। मैं शिव पुत्र श्री गणेश का सुख-सफलता की कामना से भजन, पूजन और स्मरण करता हूं।

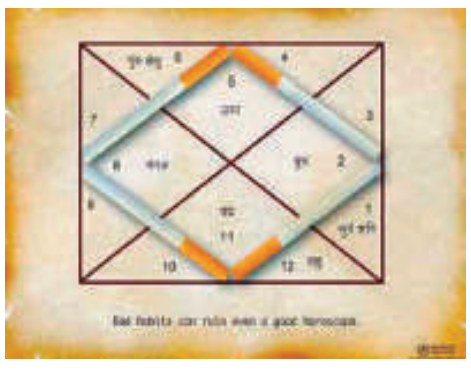
होते हैं ये लाभ

इसके साथ ही बुधवार को गणेश जी की पूजा से कई बिगडे काम भी बन जाते हैं। जैसे गणेश मंत्र का जाप करने से ग्रह दोष का नाश होता है, गणपति पूजन से शत्रुओं से बचाव के साथ परिवार और पूजा करने वाले के दु:ख दूर हो जाते हैं। गणेश जी की पूजा में तुलसी का प्रयोग बिलकुल नहीं करना चाहिए वरना इच्छित फल की प्राप्ति नहीं होती है।

क्यों करते हैं कुंडली मिलान

हिंदू धर्म शास्त्रों में सोलह संस्कार बताए गए हैं। इनमें काफी महत्वपूर्ण है विवाह संस्कार। वर-वधू का जीवन सुखी बना रहे इसके लिए विवाह पूर्व लड़के और लड़की की कुंडली का मिलान कराया जाता है। किसी विशेषज्ञ ज्योतिषी द्वारा भावी दंपत्ति की कुंडलियों से दोनों के गुण और दोष मिलाए जाते हैं।

साथ ही दोनों की पत्रिका में ग्रहों की स्थिति को देखते हुए इनका वैवाहिक जीवन कैसा रहेगा? इसका भी सटीक अंदाज़ा लगाया जाता है। यदि दोनों की कुंडलियां के आधार पर उनका जीवन सुखी प्रतीत होता है, तभी ज्योतिषी विवाह करने की बात कहता है।



कुंडली के सही अध्ययन से किसी भी व्यक्ति के सभी गुण-दोष जाने जा सकते हैं। कुंडली में स्थित ग्रहों के आधार पर ही हमारा व्यवहार, आचार-विचार आदि निर्मित होते हैं। उनके भविष्य से जुड़ी बातों की जानकारी प्राप्त की जाती है। कुंडली से ही पता लगाया जाता है कि वर-वधू भविष्य में एक-दूसरे की सफलता के लिए सहयोगी सिद्ध होंगे या नहीं। वर-वधू की कुंडली मिलाने से दोनों के एक साथ भविष्य की संभावित जानकारी प्राप्त हो जाती है, इसलिए विवाह से पहले कुंडली मिलान किया जाता है।

आपके हाथों की रेखाएं भी बताती हैं आपके जीवन के राज, जानें

अक्सर लोग अपने हाथ की रेखाओं को देखकर सोचते हैं क्या उन्हें जीवन में कभी कामयाबी मिलेगी? लेकिन हममें से अधिकतर लोगों को हस्तरेखा के बारे में जानकारी नहीं होती। ऐसे में वो किसी ज्योतिष को अपना हाथ दिखाकर उसकी कही बातों पर यकीन कर लेते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि हाथों की अधिकतर लकीरें ऐसी होती हैं। जिसे देखकर आप अपनी किस्मत के बारे में काफी कुछ पता लगा सकते हैं इससे लिए आपको किसी ज्योतिष की भी जरूरत नहीं पडेगी। आइए, हम आपको बताते हैं किस्मत की लकीर पढने के कुछ तरीके।

जीवन रेखा

जीवन रेखा आपके हाथ की सबसे महत्वपूर्ण रेखा है जिसमें आपके जीवन के साथ आपकी जिदंगी में होने वाली मुख्य घटनाओं के कई रहस्य छुपे होते हैं। अगर आपकी ये रेखा गहरी और लम्बी है तो यानि आपकी सेहत अच्छी होगी। वहीं दूसरी ओर रेखा के पतले और छोटे होने पर कई शारीरिक परेशानियों से आपको उम्र भर घिरा रहना पडता है।

हृदय रेखा

हृदय रेखा में आपके प्यार और रिश्तों से जुड़े हुए कई रहस्य होते हैं। अगर आप किसी इंसान के बारे में ये जानना चाहते हैं कि वो भावुक है या नहीं तो, आप हृदय रेखा देखकर उस इंसान के बारे में अंदाजा लगा सकते हैं। हाथों पर सीधी और छोटी हृदय रेखा होने का अर्थ होता है कि कोई व्यक्ति अपने शब्दों से ज्यादा अपने काम से प्यार जताता है। अगर किसी व्यक्ति की ये रेखा मुडी हुई है तो यानि उस व्यक्ति की इच्छाएं बहुत प्रबल होती है।

मस्तिष्क रेखा

मस्तिष्क रेखा किसी व्यक्ति के ज्ञान और विवेक की जानकारी देती है। साथ ही इससे आपके मनोज्ञान के बारे में भी पता चलता है। इस रेखा के छोटे होने का अर्थ ये है कि आप जीवन में किसी भी फैसले को बडी आसानी से ले लेते हैं। जबकि इस रेखा के लम्बे होने का अर्थ ये है कि आप किसी बात को गहराई से जानकर उसके बारे में निर्णय लेते हैं। लम्बी और मुडी हुई रेखा का अर्थ है कि आप रचनात्मक सोच रखते हैं।



अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं



सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

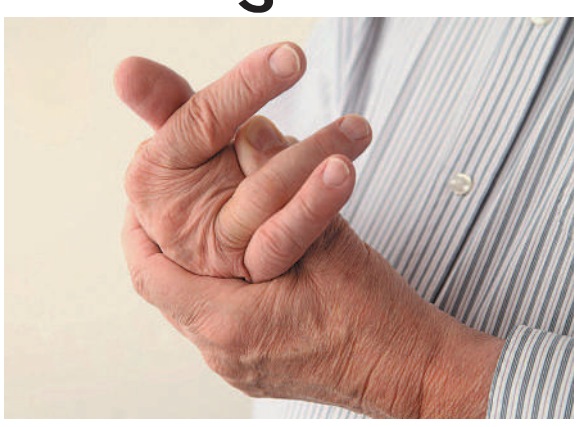
सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद हैं भिंडी!



भिंडी हरी सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह सेहत के लिए बहुत लाभदायिक होती है। भिंडी को खाने के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। आप इसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। आप भिंडी का इस्तेमाल करके खूबसूरत दिख सकती है। ज्यादा देर तक धूप में रहने से हमारी स्किन काली हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर लगा सकते है।

अंगुलियां चटकाना हो सकता है नुकसानदायक



उंगुलियां चटकाने से उंगुलियां के आसपास के मसल्स को काफी आराम मिलता है इसलिए उंगुलियां चटकाने की आदत हर दूसरे इंसान को होती है। जबकि ये आदत गठिया जैसे रोग को जन्म दोती है। अगर आपको भी है ये आदत तो इस तरह से छुड़ाएं अपनी ये आदत।

कैसे चटकती हैं उंगुलियां

ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ पढ़ते व लिखते वक्त आप अपने आप उंगुलियों को फोड़ने या चटकाने लगते हैं। ऐसा अमूमन हर दूसरा इंसान करता है। उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है जिस कारण लोग और अधिक उंगुलियां चटकाने लगते हैं। कई लोग तो गर्दन की हड्डियां भी सुबह-सुबह उठकर चटकाते हैं। जबकि इस तरह से हड्डियों को या उंगुलियों को चटकाना काफी नुकसानदेह होता है। तो आइए आज हम जानते हैं, उंगुली चटकाने से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के तरीके।

गठिया का रोग

उंगुलियां चटकाने से गठिया जैसी खतरनाक बीमारी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों की हड्डियों को चटकाना गठिया रोग का कारण बनता है। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं जिसे जोड़ कहते हैं। इन जोड़ों के बीच एक द्रव होता है जो उंगुलियों के चटकने के दौरान कम हो जाता है। ये द्रव जोड़ों में ग्रीस के समान होता है जो हड्डियों को आपस मे रगड़ खाने से रोकता है। ऐसे में बार-बार उंगुलियों के चटकने से जोड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। साथ ही हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक भी नष्ट हो जाते हैं जिससे गठिया जैसे रोग हो जाते हैं।

इस कारण पड़ती है ये आदत

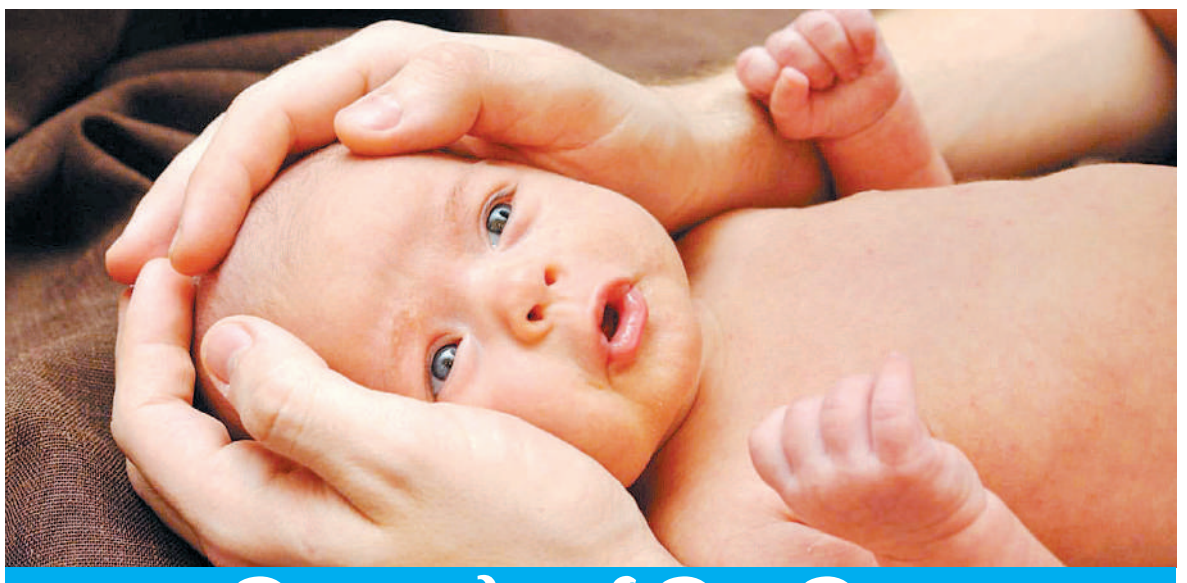
लगभग हर इंसान को ये आदत होती है। जबकि इस आदत के बारे में कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आसपास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए लोग लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगते हैं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

इस तरह से रोकें

उंगुलियां चटकाना उंगलियों की हड्डियों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। इस आदत को रोकने के लिए ध्यान दें। जब भी आप पढ़ते या लिखने या काम करते वक्त ऐसा करते हैं तो उस वक्त खुद पर फोकस करें। अगर आप कभी गलती से उंगुलियां चटकाने लगते हैं तो तुरंत छोड़ दें। चाहे उंगुलियां कितनी भी दर्द दे रही हों।

हाथों को व्यस्त रखें

उंगुलियां चटकाने से खुद को रोकने के लिए अपने हाथों को वयस्त रखें। क्योंकि कई बार लोग खाली वक्त में मेट्रो या बस में बैठे-बैठे भी उंगुलियां चटकाने लगते हैं। तो ऐसी स्थिति में अपनी उंगुलियां चटकाने के बजाय पेंसिल या सिक्के से खेलना शुरू करें। या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे ऐसा करते हैं तो उस समय कुछ लिखने लगें या ड्राइंग बनाने लगें।



शिशु को दर्द दिए बिना हटाएं त्वचा के रोएं

यह बिल्कुल सच है कि एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सौंदर्य को लेकर काफी चिंतित रहती है। शिशुओं के चेहरे और शरीर पर अत्यधिक रोएं या बाल उनकी सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन नवजात शिशु के चेहरे और शरीर पर रोएं आनुवंशिक कारणों से पहले से ही निर्धारित होते हैं, इन्हें हटाने के लिए ज्यादा कुछ करना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन इसके लिए कुछ घरेलू उपाए अपना सकते हैं,

उबटन है मददगार

आमतौर पर घर के बड़े-बुजुर्ग बाल हटाने के लिए पारंपरिक घरेलू उपचार आजमाने का सुझाव देते हैं, जो कि काफी मददगार होता है। कुछ लोग मानते हैं कि बेसन और हल्दी से बना उबटन या फिर आटे, कच्चे दूध और गुलाब जल का लेप भी रोएं हटाने में मदद करता है। हालांकि ये घरेलू नुस्खे काफी प्रचलित हैं। लेकिन इसका बैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कच्चे दूध में ई-कॉली और साल्मोनेला जैसे जीवाणु हो सकते हैं, जो कि आपके शिशु को दस्त (डायरिया) और पेचिश जैसी बीमारियां पैदा कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल है खास

ऑलिव ऑयल नवजात शिशु की त्वचा और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत ही खास भूमिका अदा करता है, लेकिन इसकी एक और खूबी है। यदि नवजात शिशु को प्रतिदिन सुबह और शाम ऑलिव ऑयल की मालिस की जाए तो चेहरे और शरीर के रोएं को कम किया जा सकता है। यह त्वचा की सुंदरता के लिए भी खास है।



गेहूं और चने का आटा

जिन आटों की हम घर में रोटियां बनाकर खाते हैं, उनका प्रयोग नवजात शिशु के शरीर के रोंए हटाने में कर सकते हैं। इसके लिए गेहूं और चने का आटा को बराबर मात्रा में पानी के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु की त्वचा पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे रगड़ें। जन्म के एक से चार महीनों के बीच इसका फायदा दिखने लगेगा।

मसूर दाल व बदाम का पेस्ट

अपने नवजात शिशुओं की त्वचा के रोएं हटाने के लिए एक बहुत ही आसान तरीका है। मसूर की दाल और बदाम का पेस्ट बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसके लिए दाल और बादाम को बराबर मात्रा में दूध के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु को मालिश कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों के बाद भी अगर त्वचा के काले और बड़े बालों से निजात नही मिल रहा है तो इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

चिरौंजी है गुणकारी

नवजात शिशु की त्वचा से रोएं हटाने के लिए चिरौंजी बहुत ही गुणकारी होता है। एक कप चिरौंजी को रात में सोने से पहले पानी में भिगो दें। सुबह तक चिरौंजी फूल जाएगी, जिसे मिक्सर से पीस लें। इसके बाद हल्के हाथों से अपने शिशु के शरीर पर लगाएं। प्रतिदिन करने से थोड़े ही दिनों में इसका लाभ दिखने लगेगा।





इस तरह करें प्लास्टिक चावल की पहचान...



कहीं आप भी तो नहीं खा रहे प्लास्टिक चावल? चीन से आने वाला यह प्लास्टिक चावल दिखने में बिल्कुल असली चावल की तरह ही दिखाई देता है। और तो और पकने के बाद भी आप प्लास्टिक चावल और असली चावल में फर्क नहीं कर सकते। असली चावल के साथ मिलाकर बाजारों में बिकने वाला यह चावल, असली चावल में इस कदर मिल जाता है, कि आप इसके रूप, रंग, आकार और यहां तक कि स्वाद में भी फर्क नहीं कर पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चावल को खाने से आप कैंसर जैसी भयानक बीमारी के शिकार हो सकते हैं। लेकिन उससे भी पहले आप शिकार हो सकते हैं, पेट की बीमारियों के...। एक कटोरी प्लास्टिक चावल, एक बैग पॉलीथिन के बराबर होता है। जरा सोचिए.... प्लास्टिक या पॉलीथिन को खाने के बाद, पेट की क्या हालत होगी ? यह ना तो पचता है, और ना ही सड़ता है।



प्लास्टिक चावल के इन सभी दुष्परिणामों से बचने के लिए इस चावल की पहचान करना बेहद आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है, कि प्लास्टिक चावल की पहचान कैसे करें ..। हम आपको बता रहें हैं, कि आखिर कैसे पहचानें प्लास्टिक चावल को। ऐसे करें पहचान -

1. **चमक**- जब आप चावल को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे प्लास्टिक के चावल असली चावल की तुलना में ज्यादा चमकीला नजर आता है।
2. **आकार**- अगर दो तरह के नकली चावलों को एक साथ मिलकर देखेंगें, तो सारे चावलों की मोटाई और आकार, एक जैसा ही दिखाई देगा।
3. **वजन**- नकली चावल का वजन असली की तुलना में हल्का होता है, इसीलिए तौलने पर नकली चावल की मात्रा अधिक होगी।
4. **भूसी** - नकली चावल बिल्कुल साफ सुथरा होगा, जबकि असली चावल में कहीं न कहीं धान की भूसी मिल ही जाएगी।

बर्तनों से दूर होगी आयरन की कमी



शास्त्रों में भी लोहे की बर्तनों में खाना बनाने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह ये है कि खाना पकाते वक्त कढ़ाई से लोहे का कुछ अंश भोजन में मिल जाता है जिससे खाने में पर्याप्त मात्रा में आयरन मिल जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी हो तो लोहे के बर्तनों में बना खाना खाने से फायदा पहुंचता है। लेकिन लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोज इन बर्तनों में खाना बनाने से बचना चाहिए। हफ्ते में केवल एक या दो बार ही पकाएं। खट्टी या फिर एसिड वाली चीजों को इसमे पकाने से बचें। कढ़ी, रसम, सांभर या फिर ऐसी चीजें जिसमें टमाटर का प्रयोग होता हो। लोहे के बर्तनों को धोने के बाद तुंरत तेल की हल्की सी परत लगा दें जिससे जंग ना लगे। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से 100 प्रतिशत तक पोषक तत्व खाने में बने रहते हैं और इसके साथ मिट्टी के अपने गुण और पोषक तत्व भी इसमें समा जाते हैं, जिससे भोजन में मौजूद गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। लंबे समय से लोग तांबे के बर्तन में पानी पीते आ रहे हैं। कई लोग रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर सुबह पीते हैं इससे पेट की सभी बीमारियां दूर होती हैं। स्टेनलेस स्टील के बर्तन अच्छे, सुरक्षित और किफायती विकल्प हैं। इन्हें साफ करना भी बहुत आसान है। लेकिन अगर सेहत को लेकर ज्यादा सजग हैं तो स्टील के बर्तन कम उपयोग में लाएं।

कैमरे से रचा इतिहास, पत्रकारिता को दी नई पहचान

प्रेस फोटोग्राफर मनोज छाबड़ा की चार दशक लंबी छायाचित्र यात्रा ऐतिहासिक और राजनीतिक घटनाओं को तस्वीरों में किया जीवंत

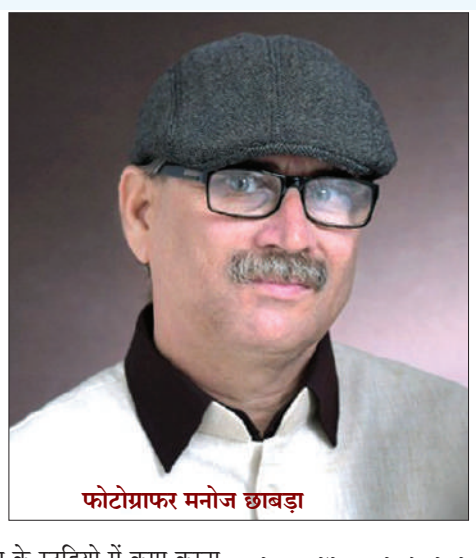
याद कीजिए करीब चार दशक पुराना वह दौर, जब एक अखबार के प्रथम पृष्ठ पर भावी मुख्यमंत्री की अपने घर की बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) कूदते हुए तस्वीर प्रकाशित हुई थी। यह महज एक साधारण क्लिक नहीं, बल्कि उस दौर की सहज और सादगीपूर्ण राजनीति को दर्शाने वाला एक अनूठा छायाचित्र था। इस तस्वीर के पीछे थी प्रेस फोटोग्राफर मनोज छाबड़ा की अद्वितीय रचनात्मक सोच और फोटोग्राफी का अलग अंदाज। इसी कला और दृष्टिकोण के दम पर आज उन्होंने देश के प्रसिद्ध प्रेस फोटोग्राफरों में अपनी अलग पहचान बनाई है।यह तो उनके काम का महज एक उदाहरण है। पिछले चार दशकों में मनोज के कैमरे से खींचे गए ऐसे सैकड़ों छायाचित्र हैं, जो आज भी उस दौर की घटनाओं को जीवंत करते हैं। ये तस्वीरें पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुकी हैं। उनकी खींची कुछ तस्वीरें तो केंद्र की राजनीतिक गलियारों में भी बड़ी चर्चा का विषय बनीं। उनकी ही एक तस्वीर से संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पार्कों में किए जा रहे अवैध निर्माण के मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती को समन भेजा था।



फोटोग्राफी का सफर शुरू

जयपुर में पले-बढ़े और पिछले 35 वर्षों से लखनऊ में रह रहे मनोज छाबड़ा ने वर्ष 1981 के आसपास महज 17 वर्ष की उम्र में फोटोग्राफी की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने अपने एक मित्र के कैमरे से अपने भतीजे की चहलकदमी करते हुए आकर्षक तस्वीर खींची थी। इसी दौरान जयपुर में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आगमन पर एक यादगार पल को भी उन्होंने अपने कैमरे में कैद किया। उस अवसर पर उनकी भाभी एवं कलाकार नीरू छाबड़ा द्वारा इंदिरा गांधी को चावल से बनी एक कलाकृति भेंट की गई थी। इस खास क्षण को अपने अलग अंदाज में कैमरे में उतारकर मनोज ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी फोटोग्राफी देखकर हर कोई उनके कौशल का मुरीद हो गया।

धीरे-धीरे मनोज का यह शौक जुनून में बदल गया। फोटोग्राफी की बारीकियां सीखने के लिए उन्होंने अपने पिता के मित्र हेमंत जैन के स्टूडियो में काम करना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष तक वहां काम करने के बाद उन्होंने प्रेस फोटोग्राफी की दुनिया में कदम रखा।



फोटोग्राफर मनोज छाबड़ा

नवज्योति से मिली पहचान

मनोज के पेशेवर सफर की शुरुआत जयपुर के लोकप्रिय अखबार दैनिक नवज्योति से हुई। यहां उनके द्वारा खींची गई तस्वीरों को अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित किया जाने लगा। हालांकि, उनके करियर में वास्तविक बदलाव उस समय आया, जब वे अपने अंकल के साथ एक असाइनमेंट के सिलसिले में उदयपुर गए। वहां उनके द्वारा किए गए फोटोग्राफी कवरेज को काफी सराहना और प्रमुखता मिली। उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर उनके अंकल ने उनका नाम नवभारत टाइम्स के लिए आगे बढ़ाया।

नवभारत टाइम्स में काम करने के दौरान मनोज की अनेक तस्वीरें चर्चा का विषय बनीं और वे मीडिया जगत के चर्चित प्रेस फोटोग्राफर बन गए। चाहे मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी के इस्तीफे की खबर हो या नए मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर के बनने की घोषणा, मनोज की खींची तस्वीरें हर महत्वपूर्ण घटनाक्रम की गवाह बनीं और अपनी अलग छाप छोड़ती रहीं।



राजस्थान से उत्तर प्रदेश तक का सफर

इसके बाद मनोज ने लखनऊ में टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ काम करना शुरू किया। यहां उन्होंने उत्तर प्रदेश की तत्कालीन सरकारों के दौर में मायावती और मुलायम सिंह यादव के बीच चले राजनीतिक उतार-चढ़ाव को अपने कैमरे की नजर से बेहद करीब से देखा और दर्ज किया।

चर्चित गेस्ट हाउस कांड हो या राज्यपाल मोतीलाल वोरा द्वारा मुलायम सिंह यादव से इस्तीफा मांगे जाने का घटनाक्रम, मनोज इन महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं के प्रत्यक्षदर्शी रहे। उन्होंने अपने कैमरे के माध्यम से उन पलों को इतिहास के लिए सुरक्षित कर दिया।

सच्चाई सामने लाने के लिए जोखिम में डाली जान

प्रेस फोटोग्राफी का मतलब केवल खूबसूरत और यादगार पलों को कैमरे में कैद करना नहीं है, बल्कि कई बार सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं की सच्चाई सामने लाने के लिए अपनी जान तक जोखिम में डालनी पड़ती है। ऐसे ही कई कठिन अनुभव मनोज छाबड़ा के जीवन का हिस्सा रहे हैं। मनोज बताते हैं कि 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या आंदोलन के दौरान फोटोग्राफी करने के कारण उनके साथ इतनी बुरी तरह मारपीट की गई कि उस समय जान बच जाना ही उनके लिए बड़ी बात थी। इसी तरह सती रूपकंवर की तेरहवीं के कार्यक्रम के दौरान भी उन्हें एक मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा। उस समय उनके कैमरे की रील निकालकर हवनकुंड में जला दी गई थी। लेकिन कहते हैं कि सच को न दबाया जा सकता है और न ही झुकाया जा सकता है। इन तमाम मुश्किलों के बावजूद मनोज अपनी गति से आगे बढ़ते रहे और प्रेस फोटोग्राफी के क्षेत्र में हर दिन कुछ नया करते रहे।

तस्वीरों की अनूठी दुनिया

वर्ष 2023 में लखनऊ में मनोज छाबड़ा की अनूठी तस्वीरों की प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी में पहुंचे कला और फोटोग्राफी के सभी कद्रदानों ने उनकी तस्वीरों की विविधता की सराहना करते हुए एक ही बात कही कि फोटोग्राफी में इतनी विविधता उन्होंने इससे पहले कभी नहीं देखी।

खेल जगत हो, फिल्मी दुनिया हो या प्रकृति के मनमोहक दृश्य, कोई भी क्षेत्र और नजारा मनोज के कैमरे की नजर से अछूता नहीं रहा। उनकी फोटोग्राफी में विषयों की विविधता, घटनाओं को देखने का अलग नजरिया और पलों को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने की अद्भुत क्षमता दिखाई देती है।

चार दशकों से अधिक की इस यात्रा में मनोज छाबड़ा ने केवल तस्वीरें नहीं खींचीं, बल्कि अपने कैमरे के माध्यम से समय, समाज, राजनीति और इतिहास के महत्वपूर्ण पलों को संजोया है। उनकी तस्वीरें आज भी उस दौर की कहानी बयां करती हैं और प्रेस फोटोग्राफी की दुनिया में उनकी विशिष्ट पहचान को रेखांकित करती हैं।

-स्वाती जैन
हैदराबाद

संपादकीय

भारत की गरीबी के अर्धसत्य

क्या भारत में गरीबी 'नगण्य' स्तर पर आ रही है? क्या बहुत जल्द 'गरीबी-रेखा' की अवधारणा और मानकता समाप्त हो जाएंगी? क्या 285-400 रुपए रोजाना की आमदनी 'सामान्य स्थिति' है? गरीबी से उबरना है? देश के कण-कण, चप्पे-चप्पे, गली-मुहल्लों में जो गरीब परिवार दिखाई देते हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं और सामान्य आय-वर्ग में शामिल हो चुके हैं? आरएसएस के सरकार्यवाह (महामंत्री) दत्तात्रेय होसबाले ने 375 रुपए से भी कम रोजाना कमाने वालों को 'गरीबी' की श्रेणी में रखा था, जिसमें करोड़ों भारतीय बताए गए थे, क्या उस आकलन और सर्वेक्षण का अर्थशास्त्र गलत था? पश्चिम बंगाल से उप्र तक की पट्टी में देश के करीब 57 फीसदी गरीब माने जाते रहे हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं? देश में ऐसी कॉन-सी क्रांति या औद्योगिक विकास हुआ है, जिनसे गरीबी 3 फीसदी से भी कम पर आने का निष्कर्ष बताया जा रहा है? विश्व बैंक ने भारत की गरीबी पर जो रपट जारी की है, उसकी प्रामाणिकता और विश्वसनीयता कितनी है? भारत में गरीबी और गरीब के आंकड़े विश्व बैंक ने खुद तो जमा नहीं किए। भारत सरकार, मंत्रालयों और एजेंसियों ने जो डाटा मुहैया कराया होगा, विश्व बैंक ने उन्हीं का विश्लेषण किया होगा! तो उस आधार पर कैसे माना या दावा किया जा सकता है कि भारत में गरीबी बहुत कम हो चुकी है और करीब 50 करोड़ लोग, 2011-23 के दौरान, गरीबी-रेखा से बाहर आ चुके हैं? विश्व बैंक की रपट के मुताबिक, भारत में 'अत्यधिक गरीबी' 3 डॉलर (करीब 285 रुपए) रोजाना के मानक स्तर पर 27.1 फीसदी से घट कर मात्र 2.6 फीसदी रह गई है? यह 'अत्यधिक गरीबी' क्या होती है? यह शब्दावली किसने तय की और क्या सभी को स्वीकार्य है? बहरहाल 12 साल के कालखंड में साढ़े 3 साल यूपीए सरकार के हैं, शेष कालखंड मोदी सरकार का है। इन सालों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से बाहर आए हैं। निम्न मध्यम आय-वर्ग में रोजाना 4.2 डॉलर (करीब 400 रुपए) कमाने और जीवनयापन करने वालों की आबादी 57.7 फीसदी से घट कर 16.1 फीसदी पर आ गई है। इसी स्तर पर 2026 की गरीबी-दर 14.2 फीसदी से घट कर 2028 में 12.1 फीसदी तक लुढक़ सकती है। इस विश्लेषण और इन निष्कर्षों पर कई सवाल हैं। भारत में औसतन 300-400 रुपए रोजाना कमाने वाले को 'गरीब' नहीं मानेंगे, तो क्या वह 'सामान्य' श्रेणी में गिना जाएगा? सरकारों ने न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से 24,000 रुपए तक तय कर रखा है। औसतन मजदूर भी 600-700 रुपए की दिहाड़ी मांगता है। विश्व बैंक के हिसाब से 9000-12,000 रुपए माहवार कमाई, आय वाले को 'गरीब' नहीं मानना चाहिए, लेकिन औसत किसान की आमदनी 10,000 रुपए माहवार भी नहीं है। उसे मजदूरी करनी पड़ती है। किसानी से 5000 रुपए भी नहीं मिलते। खेती पर 42 फीसदी कार्यबल आश्रित है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी कृषि का योगदान 16-18 फीसदी है। यह डाटा भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो और विश्व बैंक का है। जिन आधारों पर गरीबी-उन्मूलन के दावे किए जा रहे हैं, उनके अपने 'अद्र्धसत्य' हैं। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है, लिहाजा इसे यहीं छोड़ते हैं। 'गरीबी हटाओ' इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल से एक बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। इसी आधार पर उन्होंने 1971 का चुनाव जीत लिया था। बाद में कुछ और प्रधानमंत्री भी गरीबी-उन्मूलन के दावे करते रहे। भारत सरकार में इसका बाकायदा एक मंत्रालय है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपनी योजनाओं के जरिए गरीबी मिटाने के लगातार दावे किए हैं। विश्व बैंक उनकी राजनीति को पुख्ता करता है, लेकिन यह सच भी देश के सामने आना चाहिए कि देश पर करीब 215 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह भी यथार्थ है कि वित्त वर्ष 2026-27 में अभी तक बेरोजगारी दर 14.6 फीसदी से बढ़ कर 15.9 फीसदी हो गई है।

भारत सरकार, मंत्रालयों और एजेंसियों ने जो डाटा मुहैया कराया होगा, विश्व बैंक ने उन्हीं का विश्लेषण किया होगा! तो उस आधार पर कैसे माना या दावा किया जा सकता है कि भारत में गरीबी बहुत कम हो चुकी है और करीब 50 करोड़ लोग, 2011-23 के दौरान, गरीबी-रेखा से बाहर आ चुके हैं? विश्व बैंक की रपट के मुताबिक, भारत में 'अत्यधिक गरीबी' 3 डॉलर (करीब 285 रुपए) रोजाना के मानक स्तर पर 27.1 फीसदी से घट कर मात्र 2.6 फीसदी रह गई है? यह 'अत्यधिक गरीबी' क्या होती है? यह शब्दावली किसने तय की और क्या सभी को स्वीकार्य है? बहरहाल 12 साल के कालखंड में साढ़े 3 साल यूपीए सरकार के हैं, शेष कालखंड मोदी सरकार का है। इन सालों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से बाहर आए हैं। निम्न मध्यम आय-वर्ग में रोजाना 4.2 डॉलर (करीब 400 रुपए) कमाने और जीवनयापन करने वालों की आबादी 57.7 फीसदी से घट कर 16.1 फीसदी पर आ गई है। इसी स्तर पर 2026 की गरीबी-दर 14.2 फीसदी से घट कर 2028 में 12.1 फीसदी तक लुढक़ सकती है। इस विश्लेषण और इन निष्कर्षों पर कई सवाल हैं। भारत में औसतन 300-400 रुपए रोजाना कमाने वाले को 'गरीब' नहीं मानेंगे, तो क्या वह 'सामान्य' श्रेणी में गिना जाएगा? सरकारों ने न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से 24,000 रुपए तक तय कर रखा है। औसतन मजदूर भी 600-700 रुपए की दिहाड़ी मांगता है। विश्व बैंक के हिसाब से 9000-12,000 रुपए माहवार कमाई, आय वाले को 'गरीब' नहीं मानना चाहिए, लेकिन औसत किसान की आमदनी 10,000 रुपए माहवार भी नहीं है। उसे मजदूरी करनी पड़ती है। किसानी से 5000 रुपए भी नहीं मिलते। खेती पर 42 फीसदी कार्यबल आश्रित है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी कृषि का योगदान 16-18 फीसदी है। यह डाटा भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो और विश्व बैंक का है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला

विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है। किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

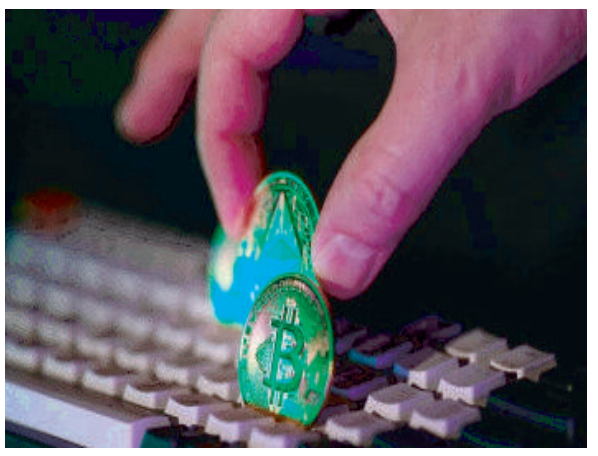


एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो।

देश दुनिया से

क्रिप्टो की ऐतिहासिक चोरी से उपजे सुरक्षा के सवाल

उनतीस अक्तूबर की रात दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस से लगभग 6.3 अरब डॉलर (करीब 53 हजार करोड़ रुपये) की डिजिटल संपत्ति कुछ ही मिनटों में उड़ा ली गई। यह क्रिप्टो इतिहास की सबसे बड़ी चोरी है, फरवरी 2025 में बायबिट एक्सचेंज से हुई 1.5 अरब डॉलर की चोरी से चार गुना बड़ी। कहने को तो बाइनेंस ने अपने खजाने, आपात भंडार और बीमा कोष से ग्राहकों के 90 फीसदी नुकसान की भरपाई का दावा किया है। पर यह राहत क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों में भरोसा कायम कर पाएगी, इसमें संदेह है। साथ ही, यह घटना भारत के लिए कई सवाल छोड़ जाती है। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसे अभियानों की बदौलत भारत डिजिटल लेन-देन में दुनिया के अग्रणी देशों में है। यहां लाखों लोग क्रिप्टो में पैसा लगाते हैं। इसलिए क्रिप्टो एक्सचेंज में हुई सेंधमारी एक अनिश्चित भविष्य के मद्देनजर हमारे लिए भी कई सवाल पैदा कर रही है। अब तक जो जांच-पड़ताल हुई है, उसमें सेंधमारों के बारे में कुछ अंदाजे लगाए गए हैं। जैसे कि ब्लॉकचेन विश्लेषक कंपनियों- टीआरएम लैब्स और चेनालिसिस के मुताबिक इस सेंधमारी के पीछे उत्तर कोरिया की हैकर इकाई 'ट्रेडरट्रेटर' का हाथ है। हैकरों का यह समूह हैकिंग के मामले में पहले से कुख्यात लाजरस समूह से जुड़ा बताया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सेंध बाइनेंस के ही एक इंजीनियर के हैक हुए लैपटॉप से लगी, और फिर महज 20 मिनट में अरबों डॉलर की क्रिप्टो सफाई से निकाल ली गई। यह साबित करता है कि लेन-देन और निवेश जितना डिजिटल होगा, कमजोर कड़ियां उतनी ही महंगी पड़ेंगी। दिलचस्प यह है कि चुराई गई क्रिप्टो को बाजार में खपाना नकदी लूट को खपाने जितना आसान नहीं। ब्लॉकचेन (क्रिप्टो निर्माण और संचालन में काम आने वाली तकनीक) में हर लेनदेन सार्वजनिक बही-खाते में दर्ज होता है। इसलिए चोर को माल तुरंत छोटे टुकड़ों में बांटना, दूसरी क्रिप्टो करेंसी में बदलना और वैध धन में मिलाना पड़ता है। इसके लिए फर्जी पहचान से कई एक्सचेंजों पर खाते, छोटी-छोटी जमाएं और एक ब्लॉकचेन से दूसरी पर छलांग का सहारा लिया जाता है। यह हथेली पर दहकता अंगारा लेकर, खुद जले बिना, उसे ठिकाने तक पहुंचाने जैसा है। बाइनेंस मामले में भी चुराए गए बिटकॉइन हजार-हजार और सौ-सौ के टुकड़ों में बांटे गए, और डॉलर-आधारित स्टेबलकॉइन विकेंद्रीकृत एक्सचेंजों पर बाजार भाव से दस फीसदी सस्ते बेचे गए। लेकिन इस बीच कई लेन-देन नियंत्रण करने वाली उन कंपनियों के जरिए गुजरे, जो ऐसी हरकतों पर कड़ी नजर रखती हैं। जैसे कि स्टेबलकॉइन जारी करने वाली टेथर, सर्कल और रिपल जैसी कंपनियां। इन कंपनियों ने हैकिंग होने के घंटे भर के भीतर करीब 2.7 अरब डॉलर फ्रीज कर दिए। यानी जहां लेनदेन के बीच कोई जवाबदेह संस्था थी, वहां चोरी रोकी जा सकी। इसके बावजूद हमलावर के पास करीब 2.4 अरब डॉलर के ईथर और बिटकॉइन बचे हैं, जिन्हें कोई वैध या सरकारी एजेंसी नहीं रोक पाई। इसलिए सवाल है कि आखिर क्रिप्टो करेंसी के सारे लेन-देन जवाबदेह संस्थाओं और कंपनियों के जरिए संपन्न क्यों नहीं कराए जा रहे हैं। हालांकि, चिंता इससे भी बड़ी है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञ वर्षों से कहते रहे हैं कि क्रिप्टो चोरी उत्तर कोरिया के प्रतिबंधित हथियार कार्यक्रमों की कमाई का बड़ा जरिया है। यानी किसी एक्सचेंज की सुरक्षा में चूक अंततः किसी मिसाइल कार्यक्रम का ईंधन बन सकती है। पाकिस्तान जैसे अस्थिर पड़ोसी के रहते भारत के लिए यह सुरक्षा का सवाल भी है। यूं हमारे लिए यह संकट एकदम अनजाना भी नहीं। जुलाई 2024 में घरेलू एक्सचेंज वजीरएक्स से करीब 23 करोड़ डॉलर चुराए गए, और उसके तार भी लाजरस समूह से जोड़े गए। लाखों उपयोगकर्ताओं के खाते महीनों फ्रीज रहे। साथ ही, नुकसान सभी ग्राहकों में बांटने का प्रस्ताव आया और पुनर्गठन की प्रक्रिया भारत के बजाय सिंगापुर की अदालत में चली। भारतीय एक्सचेंज, भारतीय ग्राहक, भारतीय पैसा, पर इंसाफ के लिए विदेशी कानून का सहारा! जुलाई 2025 में देश के सबसे बड़े एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स से करीब 4.4 करोड़ डॉलर उड़ाए गए। कंपनी ने नुकसान अपने खजाने से उठाया और सरकारी एजेंसी सर्ट-इन के साथ जांच की। पर यह कंपनी की सदिच्छा थी, कोई कानूनी बाध्यता नहीं। सबक यह कि भारत में हैकिंग के बाद निवेशक का पैसा लौटना इस पर निर्भर है कि उसका एक्सचेंज कितना अमीर और नेक है। बाइनेंस छह अरब डॉलर का घाव सह सकता है, कोई छोटा भारतीय स्टार्टअप नहीं। बाइनेंस जैसे विदेशी मंचों पर सक्रिय भारतीय निवेशकों का पैसा भी इस हादसे में अटका और बिटकॉइन छह हफ्ते के निचले स्तर पर आ गया। वैश्विक झटके की कीमत दलाल स्ट्रीट से लेकर छोटे शहरों के जेन-जी निवेशकों को चुकानी पड़ सकती है। यही वह जगह है जहां भारत की क्रिप्टो नीति के आकलन की जरूरत पड़ती है। मौजूदा स्थितियों में क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों को प्रत्येक निवेश पर 30 प्रतिशत की दर से कर चुकाना पड़ता है। इसके अलावा हरेक लेनदेन पर एक प्रतिशत के टीडीएस यानी स्रोत पर ही टैक्स लगाने का प्रावधान है। एक अन्य कानूनी प्रावधान यह है कि क्रिप्टो एक्सचेंज को अपना पंजीकरण सरकार की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) में कराना होता है। इसका उद्देश्य हवाला कारोबार रोकना है। किंतु यहां सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान निवेशकों के पैसे की सुरक्षा में मददगार होते हैं। सच्चाई यह है कि इन तीनों उपायों के बावजूद क्रिप्टो में पैसा लगाने वाले भारतीय निवेशकों को कोई सुरक्षा हासिल नहीं होती है।



आप का नज़रिया

डिजाइन के कचरे में

इंजीनियरि की कसौटी में प्रदेश का विकास अगर पचास साल भी लांघ जाए, तो हैरानी होगी। इमारतों पर टिके दस्तावेज भले ही सियासी शेखियों में आगे बढ़ जाएं, मगर गुणवत्ता का हिसाब बार-बार टूट रहा है। एक बड़ा उदाहरण टांडा मेडिकल कालेज के प्रांगण में मिलता है, जहां वर्षों से बन रहा मदर एंड चाइल्ड अस्पताल इंजीनियरिंग की खामियों का पुलिंदा बन चुका है। 44 करोड़ की इमारत को इतनी भी लाज नहीं आई कि अस्पताल की सीढ़ियों के साथ रैंप की भी जरूरत है। जाहिर है पीडब्ल्यूडी के डिजाइन विंग ने अपनी काबिलीयत का प्रदर्शन करते हुए सोचा होगा कि एक बार बिना रैंप के अस्पताल खड़ा करके देखा जाए कि देखने में कैसा लगता है। आश्चर्य यह कि इस अधूरे और अव्यावहारिक भवन पर किसी नेता का नाम चस्पां हो जाता है, लेकिन अतिरिक्त 3.31 करोड़ खर्च करके भी अस्पताल का रैंप सही तरह से निर्मित नहीं होता। सरकारी धन की कोफ्त नहीं होती इसलिए मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल दर्शनीय है और जहां केवल सियासत प्रतिबिंबित होती है। एक किस्सा धर्मशाला का भी है जहां उपायुक्त कार्यालय के समीप लाखों का ओवर हेड ब्रिज ऐसे बनाया कि दस वर्षों से कोई बंदा उस पार जाने की जहमत नहीं उठा पाया। किसी ने तो डिजाइन बना कर सीढ़ियां बनाई होंगी, किसी ने तो परियोजना का प्रारूप बनाया होगा। आश्चर्य यह कि ओवर हेड ब्रिज की नालायकी को ढांपने के लिए अब इसे प्रचार की सीडी से ढांप दिया गया है यानी एक गलती पर विराम लगाने के लिए दूसरी गलती चस्पां की जा रही है। हैरानी होती है कि हिमाचल में कमोबेश एक जैसी ड्राइंग के ऊपर स्कूल-कालेज भवन बन जाता है और उसी के ऊपर अस्पताल भी शुरू हो जाता है। प्रदेश में दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की मंजूरी से एक बार तो लगा कि कुछ बदलाव आएगा, मगर यह फंड भी डिजाइन के कचरे में डूब गया। शिमला की धरोहर इमारतों के बीच स्मार्ट सिटी का लोहा केवल बोझ बढ़ा कर रह गया, जबकि धर्मशाला की कब्र बना स्मार्ट रोड सारे शहर को बदनाम करता है। ये कौन से कमिश्नर हैं जो नगर निगमों के हिस्से में आ रहे हैं। केंद्रीय औद्योगिक पैकेज से हिमाचल और उत्तराखंड को एक जैसी सहूलियतें मिलीं, लेकिन हम बीबीएन का नक्शा आज तक मुकम्मल नहीं कर पाए, जबकि उत्तराखंड ने पांच सितारा रैंकिंग के हरिद्वार, पंतनगर जैसे औद्योगिक केंद्रों के कारण उत्पादकता का योगदान स्थापित किया। शिमला के विस्तार में हमने वो वास्तुकला बर्बाद की है, जो कभी पर्वतीय नियोजन की मिसाल थी। न्यू शिमला के निर्माण में प्रदेश ने यह स्थापित कर दिया कि हम इतिहास, परंपरा, प्रकृति और परिवेश के अनुकूल योजना बनाने में असफल हैं। यूं तो शहरी विकास तथा नियोजन विभागों की परिधि में हिमाचली प्रगति का नक्शा जिम्मेदार होना चाहिए था, मगर हमने लापरवाहियों के कंगूरे खड़े कर दिए। प्रदेश की प्रगति का मूल्यांकन नई घोषणाओं और मंचीय सबूतों से होता रहा, नतीजतन जमीन पर कार्यों की गुणवत्ता के प्रति संवेदनहीनता पैदा हो गई। राज्य के बड़े संस्थानों के निर्माण के साथ अगर उपलब्धि इमारत खड़ी करना ही है, तो इसके उद्देश्यों को पूरा करना होगा। टीएमसी के विस्तार में 'मदर एंड चाइल्ड केयर' का उद्देश्य पूरा करना होता, तो इमारत के संबोधन बदल जाते। रैंप जैसी अनिवार्यता, अग्नि शमन की शर्तें और क्षमता के अनुरूप अगर एक अदद भवन को पूरा नहीं कर सकते, तो एम्स जैसे ख्वाब पालना हमारी लाचारी ही होगी। आश्चर्य यह कि संस्थागत जीवंतता के लिए अब नेताओं के नाम चिपकाए जा रहे हैं। यही प्रवृत्ति धर्मशाला के टूटे फूटे बस स्टैंड के नामकरण से सामने आ रही है।

इमारतों पर टिके दस्तावेज भले ही सियासी शेखियों में आगे बढ़ जाएं, मगर गुणवत्ता का हिसाब बार-बार टूट रहा है। एक बड़ा उदाहरण टांडा मेडिकल कालेज के प्रांगण में मिलता है, जहां वर्षों से बन रहा मदर एंड चाइल्ड अस्पताल इंजीनियरिंग की खामियों का पुलिंदा बन चुका है। 44 करोड़ की इमारत को इतनी भी लाज नहीं आई कि अस्पताल की सीढ़ियों के साथ रैंप की भी जरूरत है। जाहिर है पीडब्ल्यूडी के डिजाइन विंग ने अपनी काबिलीयत का प्रदर्शन करते हुए सोचा होगा कि एक बार बिना रैंप के अस्पताल खड़ा करके देखा जाए कि देखने में कैसा लगता है। आश्चर्य यह कि इस अधूरे और अव्यावहारिक भवन पर किसी नेता का नाम चस्पां हो जाता है, लेकिन अतिरिक्त 3.31 करोड़ खर्च करके भी अस्पताल का रैंप सही तरह से निर्मित नहीं होता। सरकारी धन की कोफ्त नहीं होती इसलिए मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल दर्शनीय है और जहां केवल सियासत प्रतिबिंबित होती है। एक किस्सा धर्मशाला का भी है जहां उपायुक्त कार्यालय के समीप लाखों का ओवर हेड ब्रिज ऐसे बनाया कि दस वर्षों से कोई बंदा उस पार जाने की जहमत नहीं उठा पाया। किसी ने तो डिजाइन बना कर सीढ़ियां बनाई होंगी, किसी ने तो परियोजना का प्रारूप बनाया होगा। आश्चर्य यह कि ओवर हेड ब्रिज की नालायकी को ढांपने के लिए अब इसे प्रचार की सीडी से ढांप दिया गया है यानी एक गलती पर विराम लगाने के लिए दूसरी गलती चस्पां की जा रही है। हैरानी होती है कि हिमाचल में कमोबेश एक जैसी ड्राइंग के ऊपर स्कूल-कालेज भवन बन जाता है और उसी के ऊपर अस्पताल भी शुरू हो जाता है।

कुछ अलग

जहां श्रीराम ने जलाए थे आस्था के दीप

भगवान श्रीराम वनवास की अवधि पूर्ण करने, रावण का वध करने और लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद जब अयोध्या लौटते हैं तो रास्ते में कई स्थानों पर रुककर सामान्य मानव की तरह अनेक लोकरीतियों और परम्पराओं का निर्वहन करते हुए अपने गृह नगर पहुंचते हैं। जिन-जिन स्थानों पर प्रभु श्रीराम रुके, कालांतर में वे सनातन धर्मावलम्बियों के लिए पावन स्थल बन गए। अयोध्या से सटे सुल्तानपुर जनपद में प्रवाहित गोमती नदी, जो स्थानीय लोगों के बीच आदि गंगा के रूप में विख्यात है, में स्नान करके प्रभु श्रीराम ने न केवल ब्रह्महत्या (रावण वध) के पाप से मुक्ति पाई, बल्कि उस स्थल से कुछ आगे जाकर दीपदान भी किया। मान्यता है कि यहीं से दीपावली की परम्परा की शुरुआत हुई। दीपावली का पर्व भारत सहित विश्व के अनेक देशों में बहुत ही प्रमुखता और भव्यता के साथ मनाया जाता है।

दृष्टि कोण

चीन से बढ़ते व्यापार असंतुलन की चुनौती

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत इस समय चीन के साथ तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। सीतारमण ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.5 अरब डॉलर से दो गुना से अधिक बढक़र वित्त वर्ष 2025-26 में 112 अरब डालर हो गया है। यद्यपि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में सराहनीय वृद्धि दर्ज की गई है, परंतु चीन से भारत आने वाले आयात का विशाल परिमाण व्यापार घाटे की खाई को और अधिक गहरा बना रहा है। ऐसे में हमें हरसंभव तरीके से चीन से कारोबार में आ रही अड़चनें दूर करते हुए चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढऩा होगा। उल्लेखनीय है कि चीन के साथ लगातार बढ़ते हुए व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक, रणनीतिक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण चीन द्वारा अपनाई जाने वाली अप्रत्यक्ष और गैर-शुल्क बाधाएं (नॉन टैरिफ बैरियर्स) हैं। वित्त मंत्री के अनुसार चीनी प्रशासन द्वारा लगाए जाने वाले अत्यधिक जटिल तकनीकी, कड़े स्वास्थ्य और गुणवत्ता संबंधी सूक्ष्म मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बने हुए हैं। भारत बीते एक दशक से भी अधिक समय से अपनी विश्वस्तरीय जेनेरिक दवाओं, प्रसंस्कृत मांस और विविध कृषि उत्पादों के लिए चीनी बाजार में न्यायसंगत और पारदर्शी पहुंच की मांग करता रहा है। इसके विपरीत चीन अपने घरेलू उद्योगों और बाजार को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ऐसे जटिल नियामक नियम लागू करता है जिनके चलते भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी मूल्य और उच्च गुणवत्ता होने के बावजूद वहां अपनी पैठ नहीं बना पाते। इसके अतिरिक्त चीनी युआन की विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव भी भारतीय मुद्रा रुपए पर लगातार दबाव ब



कोलंबो में टेस्ट ट्वेंटी : क्रिकेट में लैंगिक समानता की नई मिसाल करेगा पेश

कोलंबो

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में 14 नवंबर से क्रिकेट इतिहास का एक अभूतपूर्व अध्याय लिखा जाने वाला है, जब टेस्ट ट्वेंटी नामक एक अनूठा क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू होगा। यह प्रतियोगिता क्रिकेट जगत में पहली बार लड़कों और लड़कियों को एक ही टीम में खेलते हुए देखेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य खेल में लैंगिक समानता और सहभागिता को बढ़ावा देना है। 14 से 29 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हार और जीत का फैसला खिलाड़ियों के संयुक्त प्रदर्शन और उनके द्वारा बनाए गए साझा रनों के आधार पर होगा।

यह पहल 13 से 21 वर्ष की आयु के 160 युवा क्रिकेटरों को एक ऐसा मंच प्रदान करेगी, जहाँ प्रतिभा और टीम वर्क लिंग भेद से ऊपर होगा।

इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात इसकी मिश्रित टीम संरचना है। खिलाड़ियों को चार महाद्वीपीय टीमों में बांटा जाएगा, जिनमें से प्रत्येक टीम में 20 लड़कियां और 20 लड़के होंगे, जिससे हर टीम में कुल 40 खिलाड़ी शामिल होंगे। यह ढांचा मैदान पर पूर्ण समानता के सिद्धांत को सुनिश्चित करता है, जहां हर खिलाड़ी का योगदान टीम के समग्र प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण होगा।

टूर्नामेंट के संस्थापक गौरव बहिरवानी के अनुसार, समानता सिर्फ खेल के मैदान तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि प्रसारण के दौरान भी लड़कों और लड़कियों को बराबर कवरेज देने की योजना है, ताकि उनकी उपलब्धियों को समान रूप से सराहा जा सके। यह क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की एक महत्वपूर्ण कोशिश है।

कोलंबो के प्रतिष्ठित सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट का टेस्ट ट्वेंटी प्रारूप भी अपने आप में बेहद दिलचस्प है। प्रत्येक मुकाबला एक ही दिन में पूरा होगा और कुल 80 ओवरों का खेल खेला जाएगा। शुरुआती 40 ओवर दिन के समय लाल गेंद से सफेद पोशाक में खेले जाएंगे, जिसके बाद बाकी 40 ओवर सफेद गेंद से रंगीन पोशाक में फ्लडलाइट की रोशनी के बीच आयोजित होंगे। दोनों चरणों में बनाए गए रन टीम के कुल स्कोर में जोड़े जाएंगे, और प्रत्येक टीम को दो बार बल्लेबाजी करने का अवसर मिलेगा, जिससे खेल में रोमांच और रणनीति का समावेश होगा। यह दोहरी प्रकृति खेल में रणनीतिक गहराई और रोमांच का संचार करेगी।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को क्रिकेट जगत के कई दिग्गजों का भी भरपूर समर्थन प्राप्त है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्लाइव लायड इसके सलाहकार बोर्ड में शामिल हैं, जो टूर्नामेंट की विश्वसनीयता और महत्व को बढ़ाते हुए इसे वैश्विक पहचान प्रदान करते हैं। भारतीय क्रिकेट कोच राजकुमार शर्मा वैश्विक चयन समिति की अध्यक्षता करेंगे, जबकि संचालन की जिम्मेदारी माइक फोर्डहम को सौंपी गई है।

यह टूर्नामेंट न केवल क्रिकेट के नए प्रारूपों को जन्म देगा, बल्कि लैंगिक समानता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

न्यूज ब्रीफ

किमी एंटोनेली के पहले फार्मूला-1 विश्व चैंपियन बनने पर स्टेफानो डोमेनिकली ने दी बधाई

नई दिल्ली। फार्मूला-1 के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेफानो डोमेनिकली ने किमी एंटोनेली को पहली बार ड्राइवर विश्व चैंपियन बनने पर बधाई दी है। उन्होंने एंटोनेली की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में विश्व चैंपियन बनना उनकी असाधारण प्रतिभा, साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। डोमेनिकली ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि एंटोनेली को विश्व चैंपियन बनते देखना उनके लिए गर्व का क्षण है। वह 1953 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद फार्मूला-1 विश्व चैंपियन बनने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी हैं। इटली ने इस उपलब्धि के लिए 73 वर्षों तक इंतजार किया है और अब पूरा देश अपने इस खिलाड़ी की सफलता का जश्न मनाएगा। उन्होंने कहा कि महानता केवल रिकार्ड बनाने से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने से भी तय होती है। एंटोनेली ने दुनियाभर के लाखों प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को दिखाया है कि समर्पण, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत से किसी भी बड़े सपने को हकीकत में बदला जा सकता है। डोमेनिकली ने कहा कि एंटोनेली का नाम इस खेल के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गया है। फार्मूला-1 के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा है और उन्हें विश्वास है कि यह एंटोनेली के शानदार करियर की सिर्फ शुरुआत है।



एकदिवसीय विश्वकप के लिए मैच फिटनेस हासिल करने विजय हजार ट्राफी में खेलते दिखेंगे रोहित

मुम्बई। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा अगले माह दिसंबर में होने वाले विजय हजारे ट्राफी में खेलते दिखेंगे। रोहित मुंबई की ओर से 50 ओवर के इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए लय हासिल करने का प्रयास करेंगे। इस टूर्नामेंट से उन्हें विश्व कप से पहले अपनी मैच फिटनेस हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। रोहित ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीएस) को अपनी उपलब्धता की सूचना देने के साथ ही बताया है कि वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज समाप्त होने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, विजय हजारे ट्राफी टूर्नामेंट 14 दिसंबर से 8 जनवरी तक चलेगा, और इसमें रोहित अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बाद मुंबई टीम से जुड़ेंगे। हालांकि, वह कितने मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, यह अभी तय नहीं है। इस संबंध में उन्होंने एमसीए अधिकारियों को सूचित किया है कि वह श्रीलंका सीरीज समाप्त होने के बाद इसमें अपनी उपलब्धता की जानकारी देंगे। गौरतलब है कि श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदवीस सीरीज 13 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगी।



एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाले कप्तानों में शुभमन सहित तीन भारतीय शामिल



मुम्बई। विश्व क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बड़ी पारियां खेलकर दोहरी जिम्मेदारी निभाई हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में कप्तानी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले ऐसे ही खिलाड़ियों की सूची में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल शामिल सहित तीन भारतीय कप्तान शामिल हैं। शुभमन ने साल 2026 में गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 133 गेंदों में नाबाद 223 रन की विशाल पारी खेली थी। उनकी इस रिकार्ड पारी में 26 चौके और 8 छक्के शामिल थे। इस दोरान उनाक स्ट्राइक रेट 167.66 रहा था। शुभमन ने इस प्रदर्शन के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का नया रिकार्ड बनाया। शुभमन के अलावा भारत के ही दो और दिग्गज कप्तान भी इस सूची में शामिल हैं जिन्होंने दोहरे शतक लगाये हैं। ये हैं पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा। सहवाग ने साल 2011 में इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 149 गेंदों पर 219 रनों की आक्रामक पारी खेली थी, जिसमें 25 चौके और 7 छक्के शामिल थे। वहीं रोहित ने साल 2017 में मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ 153 गेंदों में नाबाद 208 रन बनाए थे, जिसमें उनके बल्ले से 13 चौके और 12 छक्के निकले थे। इन दोनों ही पारियों ने भारतीय क्रिकेट में कप्तानों द्वारा खेली गई यादगार पारियों की विरासत को मजबूत किया है। इस विशिष्ट क्लब में चौथे कप्तान इंग्लैंड के हैरी ब्रूक हैं, जिन्होंने साल 2026 में रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ 116 गेंदों में 202 रनों की तेज पारी खेली। उनकी पारी में 21 चौके और 10 छक्के शामिल थे।

आस्ट्रेलिया की वनडे और टी20 टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका, महली बियर्डमैन और ओली पीक शामिल

सिडनी

इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए आस्ट्रेलिया ने अपनी वनडे और टी20 टीमों की घोषणा कर दी है। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, प्रतिभाशाली बल्लेबाज ओली पीक और आलराउंडर जैक एडवर्ड्स तथा लियाम स्काट को वनडे टीम में जगह दी गई है। वहीं, निकिल चौधरी और जोएल डेविस को टी20 टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शा और सैम हार्पर को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज 13 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। घरेलू मैदान पर होने वाली इस सीरीज में आठ नए खिलाड़ियों को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने का अवसर मिल सकता है। बियर्डमैन, पीक, एडवर्ड्स, चौधरी, स्काट और डेविस इस साल सर्दियों के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरों पर सफेद गेंद के अंतरराष्ट्रीय मैचों में पदार्पण कर चुके हैं। हार्पर और शा अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं।

मिचेल मार्श की कप्तानी में आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का मुख्य समूह बरकरार रखा गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आराम दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद टीम को दिसंबर से लगातार 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।

केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में मिली हार के बाद ट्रेविस हेड, मैथ्यू रेनशा, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस और कूपर कोनोली



को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, ये खिलाड़ी टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। आस्ट्रेलिया को नौ दिसंबर से पर्थ में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में शीर्ष पर है। आस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर पिछले पांच में से तीन टेस्ट हारने के बाद वापसी की कोशिश करेगा। इसके बाद टीम भारत के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की बार्डर-गावस्कर ट्राफी खेलेगी। मार्च में मेलबर्न में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष मुकाबला भी आयोजित होगा।

महली बियर्डमैन ने पिछले साल जनवरी में लाहौर में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, लेकिन सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले अभ्यास के दौरान उन्हें परेशानी हुई। जांच में उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला, जिसके कारण उनका पिछला सत्र प्रभावित हुआ। चोट से उबरने के बाद उन्होंने अक्टूबर में भारत दौरे पर आस्ट्रेलिया ए की ओर से सीमित ओवरों के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। पुडुचेरी में एक मैच में उन्होंने छह ओवर में 23 रन देकर चार विकेट लिए।

आस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जार्ज बेली ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि बियर्डमैन उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें आने वाले वर्षों में तीनों प्रारूपों का खिलाड़ी बनाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया ए के लिए महली बियर्डमैन का हालिया प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।

ओली पीक और जैक एडवर्ड्स ने क्रमश: रावलपिंडी और डरबन में वनडे पदार्पण किया था। बियर्डमैन और एडवर्ड्स ने लाहौर में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया, जबकि चौधरी और डेविस ने चटगांव में इस प्रारूप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला।

पीक ने जिम्बाब्वे दौरे के दौरान मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी। उन्होंने एक मैच के अंतिम ओवर में 24 रन बनाए थे। वहीं, एडवर्ड्स ने जोहानिसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी क्षमता साबित की थी।

टी20 टीम में जेक फ्रेजर-मैकगर्क की 18 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है। मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। जार्ज बेली ने दोनों खिलाड़ियों की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा, जेक और मिच टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि उनकी बड़े शाट खेलने की क्षमता छोटे प्रारूपों में टीम के लिए अंतर पैदा कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा, ये दोनों ऐसे खिलाड़ियों के अच्छे उदाहरण हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिला और उन्होंने उन अनुभवों से सीखकर अपने खेल पर लगातार काम किया है।

जोश इंग्लिस ने केपटाउन में तीसरे टेस्ट में शतक लगाया था और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह पाने की दौड़ में हैं। इसी वजह से उन्हें टी20 सीरीज से आराम दिया गया है। इससे पहली बार अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की दहलीज पर खड़े विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शा और सैम हार्पर के लिए अवसर खुला है।

शा को इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स की वनडे कप टीम का कप्तान बनाया गया था। निक मैडिनसन की अनुपस्थिति में उन्होंने शेफील्ड शील्ड टीम की भी अगुआई की। आस्ट्रेलिया ए के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वहीं, हार्पर पिछले सत्र में बिग बैश लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट टीम में भी जगह बनाई थी, हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला। बेली ने शा की तारीफ करते हुए कहा, लाची शा बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। हमें लगता है कि वह तेजी से विकास करेंगे। उनका खेल काफी दमदार है और टी20 प्रारूप में टीम को फायदा पहुंचा सकता है। हार्पर को लेकर उन्होंने कहा, सैम हार्पर घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस समय वह अपने खेल को लेकर शानदार स्थिति में हैं और सभी प्रारूपों में अपनी शैली के अनुसार निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

छठे सत्र के साथ वापसी कर रही प्रो रेसलिंग लीग छह टीमें भाग लेंगी



नई दिल्ली

भारत की बहुप्रतीक्षित प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) अपने छठे सत्र के साथ एक बार फिर वापसी करने जा रही है। इसका सत्र 9 जनवरी, 2027 से शुरू होगा जिसके लिए टीमों ने तैयारियां भी शुरु कर दी हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के सहयोग से दिल्ली के प्रतिष्ठित केडी जाधव कुश्ती एरिना में आयोजित होने वाली यह लीग देश और विदेश के कुश्ती प्रशंसकों के लिए एक बड़ा आयोजन साबित होगी।इस बार लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें - मुंबई डंगल्स के टाइगर्स, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वारियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रायल्स और यूपी डोमिनेटर्स खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इन टीमों में भारत सहित विभिन्न देशों के कुल 86 पहलवान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इनमें 34 ओलंपियन और कामनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स तथा विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं, जो प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना देंगे। जापान की ओलंपिक चैंपियन युई सुसाकी जैसी अंतरराष्ट्रीय स्टार खिलाड़ी की उपस्थिति दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र होगी।

लीग में पुरुषों और महिलाओं के कुल नौ ओलंपिक भार वर्गों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के दो राउंड होंगे, जिससे हर मैच में जबरदस्त ऊर्जा और रणनीति देखने को मिलेगी। विशेष पावर मिनट नियम इस लीग की एक अनूठी विशेषता है, जहां मुकाबले के आखिरी 60 सेकंड में हासिल किए गए अंक दोगुने गिने जाएंगे। यह नियम अंतिम क्षणों में भी मैच का परिणाम बदलने की क्षमता रखता है, जिससे दर्शकों का रोमांच अंत तक बना रहेगा। प्रो रेसलिंग लीग के चेयरमैन दयान फारूकी ने लीग की वापसी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह वापसी भारत की समृद्ध कुश्ती विरासत का एक उत्सव है और इसे वैश्विक मानकों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फारूकी ने भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाले समय में देशभर के विभिन्न शहरों में मुकाबले आयोजित करने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक प्रशंसकों को विश्वस्तरीय कुश्ती का अनुभव मिल सके। गौरतलब है कि साल 2015 में शुरू हुई इस लीग के पांच सफल सीज़न पहले ही आयोजित हो चुके हैं।

आस्ट्रेलिया की हार से डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत की राह मुश्किल हुई



मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका की आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 की जीत से विश्व टेस्ट चैम्पियशिप (डब्ल्यूटीसी) का समीकरण अब और उलझ गया है। इससे डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारी बदलाव आया है। जिससे फाइनल में पहुंचने के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। आस्ट्रेलिया की इस हार का सीधा प्रभाव भारतीय टीम पर भी पड़ा है और उसे लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाना और भी कठिन हो गया है। आस्ट्रेलिया की इस हार का लाभ न्यूजीलैंड को मिला है और उसने अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर आ गयी है, जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं आस्ट्रेलिया, जो पहले बेहतर स्थिति में था, अब तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं भारतीय टीम फिलहाल 51.52 प्रतिशत अंकों (पीसीटी) के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। अंक प्रतिशत के मामले में आस्ट्रेलिया का पीसीटी अभी भी भारत से काफी आगे (69.23प्रतिशत) है, लेकिन उसकी हार ने उसे भी झटका दिया है और उसकी फाइनल की उम्मीदों को कमजोर किया है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम अंक तालिका में ऊपर आयी है। जिससे शीर्ष क्रम में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ हाकी लीग का चैंपियन बना मैनपाट टाइटंस, फाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 से हराया

रायपुर

मैनपाट टाइटंस ने छत्तीसगढ़ हाकी लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया है। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 गोल से पराजित कर लीग की पहली चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।



फाइनल मुकाबला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में खेला गया। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

छत्तीसगढ़ हाकी लीग (सीएचएल) के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी टाइटंस को 4-2 से हराकर ट्राफी अपने नाम की। छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस लीग में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमों ने भाग लिया था।

मैनपाट टाइटन्स ने मैच की तेज शुरुआत की और शुरुआती मिनटों में कुछ मूव बनाए। उन्होंने शुरुआत में ही सर्कल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया, जो किसी भी टीम के लिए हमेशा एक अच्छा संकेत होता है। लेकिन काउंटर पर शाहरुख ने एक मौका दिया, जहां उनके शाट को डिफेंडर ने रोक दिया।

मैनपाट टाइटन्स ने तीसरे क्वार्टर में रुख बदलने की कोशिश की, जब संदीप ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन उनकी बढ़त देर तक नहीं रही। स्ट्राइकर्स ने भी पेनल्टी कार्नर से गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। अंतिम समय में मैनपाट ने बेहतर टीमवर्क से दो गोल और दागे तथा स्कोर 4-2 कर लीग का पहला चैंपियंन बनने में कामयाब रही।

लीग में कुल 21 लाख रुपये की पुरस्कार राशि बांटी गई। विजेता टीम मैनपाट टाइटंस को 11 लाख रुपये और उप विजेता संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 6 लाख रुपये मिले। शाहरुख अली को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट, आशीष तानी पूर्ति (13 गोल) को लीग का टाप स्कोरर और हिमांशु को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। स्थानीय खिलाड़ी मोहित नायक ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ छत्तीसगढ़ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। संदीप कुमार लीग के इमर्जिंग प्लेयर बने।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र बाहर

नई दिल्ली

भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से उबर रहे हैं, लेकिन चार नवंबर से आकलैंड में शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चैपमैन को यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हाल ही में कराई गई एमआरआई जांच के बाद उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए दो सप्ताह और पुनर्वास की जरूरत है। वहीं, रचिन रवींद्र एक प्रचार कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान हुए हादसे में दाएं कंधे की हड्डी खिसकने के कारण चोटिल हो गए थे। उन्हें भी मैदान पर पूरी क्षमता से उतरने के लिए अभी और समय चाहिए।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि चैपमैन और रचिन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। चैपमैन चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि रचिन का कंधा अभी सफेद गेंद के क्रिकेट में आराम से क्षेत्ररक्षण करने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है, इसलिए टीम उनके मामले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले ही सीरीज के अंतिम दो



मुकाबलों के लिए चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में जगह मिली है, जबकि आलराउंडर डीन फाक्सक्राफ्ट अंतिम दो मुकाबलों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

तेज गेंदबाज मैट फिशर को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले केवल अंतिम दो वनडे के लिए चुना गया था। इस बीच, दाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में हल्की चोट के कारण पिछले तीन टी20 मुकाबलों से बाहर रहे मैट हेनरी दो नवंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे। हालांकि, उनकी उपलब्धता का फैसला फिटनेस आकलन के बाद किया जाएगा।

भारत के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कानवे, जैकब डफी, मैट फिशर, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टाम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, विल यंग और ब्लेयर टिकनर।

अंतिम दो वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, लाकी फर्ग्यूसन, मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

वीरभद्र राव ने दिया मानव सेवा का संदेश



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में वीरभद्र राव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वीरभद्र राव ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर अपना जन्मदिन सेवा और समर्पण की भावना के साथ मनाया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वीरभद्र राव ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा उनके जन्मदिन पर सेवा का अवसर प्रदान करना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन पर जरूरतमंदों की भूख मिटाने और उनके चेहरों पर मुस्कान लाने से बढ़कर कोई खुशी नहीं हो सकती। ग्रुप के सदस्य जिस निस्वार्थ भाव से नियमित रूप से अन्नसेवा कर रहे हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने इस पुनीत कार्य में सहभागी बनाने के लिए ग्रुप के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, वीरभद्र राव, विजय अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।



'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली के दौरान डॉ. अशोक केडिया केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के साथ रैली के इनर सर्कल में नजर आए। इस अवसर पर जस्मत पटेल, रिद्धिश जागीरदार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स का शानदार प्रदर्शन

गणतंत्र दिवस शिविर-2027 के लिए अंतर-समूह प्रतियोगिता संपन्न, वारंगल ग्रुप बना ओवरऑल चैंपियन



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देशभक्ति, अनुशासन और उत्कृष्टता की भावना के साथ गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी)-2027 के लिए अंतर-समूह प्रतियोगिता (आईजीसी) का आयोजन 25 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 तक आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी में किया गया। सिकंदराबाद ग्रुप मुख्यालय की ओर से आयोजित इस 10 दिवसीय शिविर में आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना निदेशालय के अंतर्गत आने वाले नौ एनसीसी ग्रुप मुख्यालयों के 585 से अधिक कैडेट्स ने भाग लिया। प्रत्येक ग्रुप से 65 कैडेट्स शामिल हुए। शिविर का शुभारंभ 26 अक्टूबर को सिकंदराबाद ग्रुप के ग्रुप कमांडर के संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने कैडेट्स को अनुशासन, दृढ़ संकल्प और समर्पण के उच्चतम मानदंड बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस संबोधन के साथ ही कैडेट्स की कठिन प्रशिक्षण यात्रा शुरू हुई, जिसमें उनकी क्षमताओं की परीक्षा लेने के साथ सामूहिक एकता और टीम भावना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

आईजीसी-आरडीसी शिविर नई दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर में निदेशालय का प्रतिनिधित्व करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसके लिए चयन प्रक्रिया में कठोर प्रशिक्षण, चयन के कई चरण, निरंतर मूल्यांकन और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन शामिल है।

इस शिविर के माध्यम से कैडेट्स को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, प्रदर्शन में सुधार करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व के लिए आवश्यक समन्वय, आत्मविश्वास और अनुशासन विकसित करने का अवसर मिलता है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में दिखाया दमखम

प्रतियोगिता के अंतर्गत गार्ड ऑफ ऑनर, गणतंत्र दिवस परेड, प्रधानमंत्री रैली, स्वॉर्ड ड्रिल, फ्लैग एरिया, समूह नृत्य, समूह गान, बैले और सर्वश्रेष्ठ कैडेट जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रत्येक प्रतियोगिता में सटीकता, धैर्य, टीमवर्क और समर्पण की आवश्यकता रही। कैडेट्स ने व्यक्तिगत प्रतिभा के साथ सामूहिक उत्कृष्टता का भी प्रदर्शन किया। परेड के अनुशासन से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की रचनात्मकता तक, शिविर में राष्ट्रीय कैडेट कोर की बहुआयामी प्रतिभा देखने को मिली।

प्रतियोगिताओं के अलावा इस शिविर ने विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए कैडेट्स के बीच आपसी भाईचारे, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और परस्पर सम्मान की भावना को भी मजबूत किया। यह आयोजन एनसीसी के मूल मंत्र 'एकता और अनुशासन' की भावना को चरितार्थ करता नजर आया।

आरडीसी चयन प्रक्रिया केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य युवाओं को अनुशासित, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक एवं राष्ट्र के प्रतिनिधि के रूप में तैयार करना भी है। प्रत्येक अभ्यास, प्रस्तुति और मूल्यांकन कैडेट्स को राष्ट्रीय मंच पर एनसीसी की विविधता, मूल्यों और भावना का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार करता है।

वारंगल ग्रुप को चैंपियंस ट्रॉफी

शिविर का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह 2 नवंबर 2026 को आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना निदेशालय के उप महानिदेशक एयर कमोडोर नरसिंह सैलानी ने विजेता कैडेट्स और ग्रुप्स को पुरस्कार प्रदान किए।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वारंगल ग्रुप ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया और प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी हासिल की। वहीं सिकंदराबाद ग्रुप ने ओवरऑल बेस्ट कैडेट्स का सम्मान प्राप्त कर अपनी उपलब्धि में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा।

आईजीसी-आरडीसी 2027 शिविर उपलब्धियों, अनुभवों, सीख और प्रेरणा से भरपूर रहा। इस आयोजन ने कैडेट्स में अनुशासन, आत्मविश्वास और देशसेवा के प्रति समर्पण को और मजबूत किया। अब सभी चयनित कैडेट्स की निगाहें गणतंत्र दिवस शिविर-2027 की आगामी चुनौती पर टिकी हैं।

तिरुपति में अष्टलक्ष्मी सिद्धि महायज्ञ 18 दिसंबर से



तिरुपति, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन एवं सिद्धेश्वर सनातन संसार के तत्वावधान में श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति में पूज्य गुरुदेव ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन सान्निध्य में नौ दिवसीय 'अष्टलक्ष्मी सिद्धि महायज्ञ' का आयोजन आगामी 18 से 26 दिसंबर तक किया जाएगा। मां महालक्ष्मी के आठ दिव्य स्वरूपों की आराधना को समर्पित इस धार्मिक आयोजन में सुख-समृद्धि, आध्यात्मिक उन्नति एवं लोककल्याण की कामना के साथ विभिन्न वैदिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

आश्रम की उपासिका श्रीमती सरला बोथरा ने बताया कि महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार, विशेष पूजन, हवन, आध्यात्मिक अनुष्ठान, भजन-संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को जीवन जीने की कला से परिचित कराने के उद्देश्य से सिद्धासना योग विधि का प्रयोगात्मक अभ्यास भी कराया जाएगा।

आयोजन के चेयरमैन शिवलाल गोयल ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में मां महालक्ष्मी को धन, धान्य, सौभाग्य, ऐश्वर्य, ज्ञान, साहस, विजय और समग्र समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। इसी आध्यात्मिक भावना के साथ अष्टलक्ष्मी सिद्धि महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजन के अध्यक्ष संजय मालू ने बताया कि महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को सनातन धर्म की समृद्ध परंपराओं से जोड़ना, परिवार एवं समाज में सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देना तथा सामूहिक रूप से मां महालक्ष्मी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है।आश्रम की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती इंदु राठौड़ ने कहा कि नौ दिवसीय यह आयोजन श्रद्धा, साधना, सेवा, सकारात्मकता और आध्यात्मिक चेतना को समर्पित रहेगा। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, अध्यात्म और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

सलाहकार समिति के सदस्य घनश्याम मोदी ने बताया कि अष्टलक्ष्मी के आठ स्वरूप जीवन की विभिन्न प्रकार की समृद्धियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। समृद्धि का अर्थ केवल धन-संपत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ज्ञान, अन्न, साहस, सफलता, विवेक, पारिवारिक प्रेम और मानसिक संतुलन भी शामिल हैं। महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को मां के इन आठों स्वरूपों की महिमा समझने और वैदिक अनुष्ठानों में सहभागी बनने का अवसर मिलेगा।राजकुमार सिपानी ने कहा कि अष्टलक्ष्मी सिद्धि महायज्ञ के माध्यम से श्रद्धालु मां महालक्ष्मी के समक्ष अपने परिवार की सुख-शांति, आजीविका में उन्नति, कार्यों में सफलता, समाज के कल्याण और आध्यात्मिक विकास की कामना करेंगे।

आश्रम के सचिव हर्ष सरावगी ने बताया कि अष्टलक्ष्मी की आराधना में मां के आठ दिव्य स्वरूपों का स्मरण किया जाता है।

वेगा ज्वेलर्स शोरूम का उद्घाटन 6 को



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेगा ज्वेलर्स की ओर से हैदराबाद के दिलसुखनगर में अपने सबसे बड़े शोरूम के उद्घाटन की तारीख की घोषणा के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में अभिनेत्री स्रवंती चोकरापु, अभिनेत्री दिवि, अभिनेत्री कामाक्षी भास्करला और मिस इंडिया तेलंगाना-2023 उर्मिला चौहान सहित कई फिल्मी हस्तियों, आभूषण प्रेमियों एवं अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

वेगा ज्वेलर्स का यह सातवां और अब तक का सबसे बड़ा शोरूम होगा, जो 17,000 वर्गफीट क्षेत्र में फैला हुआ है।

इसका उद्घाटन 6 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी की ओर से ग्राहकों के लिए आकर्षक आभूषण ऑफर और मेगा गोल्ड लकी ड्रॉ की भी घोषणा की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नाच न...

अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर विपक्षी दलों की ओर से आयोजित मॉक पार्लियामेंट को लेकर भी राहुल गांधी को निशाने पर लिया। इस आयोजन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक महाभियोग की कार्यवाही की गई थी। शाह ने कहा कि राहुल गांधी असली संसद में प्रधानमंत्री नहीं बन सकते, इसलिए नकली संसद में प्रधानमंत्री बनने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संसद की कार्यवाही नहीं चलने देते। गृह मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें पूरी जिंदगी मॉक पार्लियामेंट में ही रहना चाहिए, क्योंकि उनकी बारी कभी नहीं आएगी।अमित शाह ने हैदराबाद में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में हिस्सा लिया और जनसभा को संबोधित किया। भाजपा का यह कार्यक्रम कांग्रेस की वोट बचाओ मुहिम और एसआईआर के विरोध के जवाब में आयोजित किया गया था। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अवैध घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मतदाता सूची से अवैध घुसपैठियों के नाम हटाने के पक्ष में है। इस तरह एसआईआर को लेकर भाजपा और विपक्ष के बीच टकराव अब संसद में बहस की चुनौती तक पहुंच गया है।

मोदी...

पीएम ने आरोप लगाया था कि अफवाहें फैलाने और देश की छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया का हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया था कि कौन विदेश में किससे गुपचुप तरीके से मिल रहा है और भारत विरोधी ताकतें किसका समर्थन कर रही हैं।

इमरान...

आप भारतीय नागरिकता क्यों नहीं ले लेते? आप यहां एक बॉलीवुड स्टार बन चुके हैं। इस पर इमरान खान के वकील वेंकटेश धोंड ने कहा कि वे इस मुद्दे पर अपने क्लाइंट की राय जानने की कोशिश करेंगे। एक अन्य मौके पर बेंच ने टिप्पणी की कि भारत में दशकों तक रहने के बाद, ऐसा लगता है कि खान यह भूल गए हैं कि उनके पास ओसीआई कार्ड है। हाईकोर्ट ने कहा, शायद आप यहां बहुत लंबे समय से रह रहे हैं। 40 साल से भी ज्यादा, इसलिए आप भूल गए हैं कि आप एक ओसीआई कार्ड धारक हैं।

बता दें कि अदालत की ये सारी टिप्पणी इमरान खान की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आई, जिसमें उन्होंने लीव इंडिया नोटिस को चुनौती दी है। यह नोटिस फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) द्वारा जारी किया गया था, जिसमें उन्हें देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था। पिछले हफ्ते मुख्य न्यायाधीश एम.सी. त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की बेंच ने इस नोटिस पर रोक लगा दी थी।

हलफनामा देते हुए इमरान खान ने कहा, मैं भविष्य में किसी भी विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लूंगा और न ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी और को ऐसे प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए उकसाऊंगा या प्रभावित करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उनके मन में इस महान देश और इसके संविधान के लिए गहरा प्रेम और सम्मान है। उन्होंने फिर दोहराया, मेरा जीवन, मेरा पेशा और मेरा जुड़ाव, सब कुछ इसी महान देश से है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, मैं यह शपथ-पत्र दे रहा हूं कि भविष्य में मैं किसी भी विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लूंगा।

वरिष्ठ वकील वेंकटेश धोंड ने बताया कि अभिनेता का जन्म अमेरिका में हुआ था और उन्हें जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिल गई थी, लेकिन उन्होंने अपना पूरा जीवन भारत में ही बिताया है। उन्होंने यह भी बताया कि 2006 में ओसीआई का दर्जा मिलने से पहले, खान के पास पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (पीआईओ) कार्ड भी था। धोंड ने कहा, मेरे मुवक्किल का जन्म अमेरिका में हुआ था। सिर्फ इसलिए कि उनका जन्म वहां हुआ, मैं वहां का नागरिक हूं, लेकिन मैंने अपना पूरा जीवन यहीं बिताया है। वकील ने कोर्ट को यह भी बताया कि खान ने भारत में शादी की है और बॉलीवुड में काम भी किया है, हालांकि अभी उनके पास कोई फिल्म नहीं है।

इमरान खान ने यह भी कहा कि प्रदर्शन में शामिल किसी भी संगठन या व्यक्ति से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह लिखित आश्वासन देने की भी इच्छा जताई कि भविष्य में वह ऐसी गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि, एफआरआरओ की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अनिल सिंह ने इन दलीलों का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि ऐसे सबूत मौजूद हैं जो प्रदर्शन में खान की भागीदारी को दर्शाते हैं। उन्होंने अभिनेता के सोशल मीडिया पोस्ट और एक ऐसे इंटरव्यू का जिक्र किया, जिसका खुलासा खान ने खुद नहीं किया था। उन्होंने तर्क दिया कि सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होने के कारण, उनके बयान बहुत से लोगों तक पहुंचे। सिंह ने आगे आरोप लगाया कि यह कोई इकलौती घटना नहीं थी; उन्होंने दावा किया कि खान पहले भी कई प्रदर्शनों में शामिल हो चुके हैं और भड़काऊ बयान दे चुके हैं। उन्होंने तर्क दिया कि किसी विदेशी नागरिक द्वारा माफी मांग लेने भर से उन पर लगे आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

धोंड ने दलील दी कि खान इस मामले में नए थे और उन्हें विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के नतीजों की पूरी समझ नहीं थी। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि भारतीय नागरिकता को लेकर बेंच की टिप्पणियों के संबंध में वे अपने मुवक्किल से निर्देश लेंगे। बेंच ने एएसजी से कहा, हम यह मान रहे हैं कि एक ओ-सीआई कार्डधारक इसमें हिस्सा नहीं ले सकता। आप संप्रभु हैं। हम पूरी तरह से इस बात से सहमत हैं कि आपको विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकालने का पूरा अधिकार है। आपके पास असीमित शक्तियां हैं। हम इस पर कोई विवाद नहीं कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि असल में क्या हुआ था। अगर मुंबई पुलिस यह कहे कि कुछ हुआ ही नहीं था, तो फिर स्थिति अलग होगी।

विदेशी नागरिकों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए बेंच ने वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत का भी जिक्र किया। इसके बाद बेंच ने गौर किया कि खान ने एक लिखित वचन (अंडरटेकिंग) दिया है और बिना किसी शर्त के माफी मांगी है। इस बीच अदालत ने खान के सेलिब्रिटी स्टेटस और उनके फॉलोअर्स को देखते हुए उनके सार्वजनिक बयानों के नतीजों पर जोर दिया। बेंच ने टिप्पणी की, आप एक सेलिब्रिटी हैं और आपकी बातों के नतीजे होते हैं। इस देश की उदारता देखिए। आप ओसीआई कार्डधारक हैं और आपकी जो भी पहचान है, वह भारत और महाराष्ट्र की ही देन है। इमरान खान को अभी भारत छोड़ने से मिली राहत कायम है। मामले की अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी।

दीया...

और बीएमसी के कहने पर जनहित में रिकॉर्ड किया था।

दीया ने कहा कि वायु प्रदूषण गंभीर चिंता का विषय है। प्रदूषण कम करने के लिए किए जाने वाले प्रत्येक प्रयास का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि यह सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है।इससे पहले भी रितू तावड़े ने दीया मिर्जा के अभियान पर निशाना साधते हुए कहा था कि हिंदुओं को दिवाली मनाने का तरीका बताने के लिए अभिनेत्री की जरूरत नहीं है। उनके अनुसार, हिंदू अच्छी तरह जानते हैं कि उन्हें अपनी दिवाली कैसे मनानी है।

महापौर ने अभिनेत्री पर हिंदुत्व विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप भी लगाया था और कहा था कि इसी वजह से उनके वीडियो का विरोध किया गया। इस अभियान को लेकर राजनीतिक नेताओं के बीच विरोध देखने को मिला, वहीं कुछ लोगों ने अभिनेत्री का समर्थन भी किया। अब सवाल यह है कि प्रदूषण-मुक्त दिवाली का संदेश देने वाला एक वीडियो इतना बड़ा राजनीतिक विवाद कैसे बन गया?

संघ के पथ....

जिला और नगर पदाधिकारियों के साथ इस मार्च में शामिल होकर बहुत खुशी हुई। अमेरिका की इंटेल कंपनी में पूर्व इंजीनियरिंग निदेशक रह चुके अय्यासामी वेम्बू को अपना गुरु मानते हैं। अय्यासामी ने सोमवार को इंडिया टुडे डिजिटल को बताया कि वेम्बू ने तेनकासी शहर में आरएसएस के पथ संचलन में शामिल होने की योजना बनाई थी, लेकिन उस समय वे यात्रा पर थे। उन्होंने कहा कि घर लौटने के बाद वे शंकरनकोविल में आयोजित पथ संचलन में शामिल हुए।

अय्यासामी के अनुसार, वेम्बू तेनकासी क्षेत्र में आरएसएस की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और नियमित रूप से स्थानीय बैठकों में शामिल होते हैं। इसके अलावा वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक चर्चाओं तथा सप्ताहांत सत्रों को भी प्रायोजित करते हैं।

इस आयोजन के बारे में बताते हुए अय्यासामी ने कहा कि पथ संचलन में देशभक्ति, अनुशासन, एकता और निस्वार्थ सेवा जैसे मूल्यों की झलक देखने को मिली।

स्थानीय गतिविधियों के अलावा वेम्बू आरएसएस के प्रशिक्षण शिविरों में भी शामिल हो चुके हैं। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले सहित संघ के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की है।

आरएसएस के मुखपत्र द ऑर्गेनाइजर के अनुसार, अय्यासामी ने बताया कि वेम्बू संघ से जुड़े संगठन स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। वे स्वदेशी, आत्मनिर्भर भारत और केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करते हैं।अय्यासामी ने बताया कि श्रीधर वेम्बू ने आरएसएस के पथ संचलन से जुड़े एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आत्मनिर्भरता, राष्ट्रवाद और राष्ट्र निर्माण में आरएसएस के योगदान पर चर्चा की।

अय्यासामी के मुताबिक, वेम्बू ने कहा कि आरएसएस लोगों के बीच कोई भेदभाव नहीं करता और न ही जाति या धन के आधार पर किसी को विशेष दर्जा देता है।

उन्होंने बताया कि वेम्बू ने 'सेवा भारती' जैसे संगठनों के माध्यम से काम करने वाले सैकड़ों स्वयंसेवकों की भागीदारी का भी उल्लेख किया। इनमें ऐसे क्षेत्र भी शामिल थे, जहां रहने वाले अधिकांश लोग हिंदू नहीं थे।

जोहो के संस्थापक ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील भी की।

गाँधी परिवार....

उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी मान-सम्मान और स्थान मिला है, वो गुरु नानक देव, गुरु गोविंद सिंह, अकाली बाबा फूले सिंह, बाबा दीप सिंह और श्री अकाल तख्त साहिब से जुड़ाव की वजह से है। उन्होंने कहा कि अगर वो इन परिवारों के सदस्यों को प्रदर्शन के पास आने की इजाजत देते हैं, तो उन्हें डर है कि पंथ से उन्हें तनखैया घोषित कर दिया जाएगा या निष्कासित कर दिया जाएगा। वो अपने धर्म और पंथ का अपमान कभी नहीं कर सकते।

हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के प्रतिनिधियों ने पहली बार पीड़ित परिवार से मुलाकात की है। इससे पहले 20 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा, सचिन पायलट, नवजोत सिंह सिद्धू के अलावा अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल और दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता भी मानसा पहुंचकर झोटा के पिता भीम सिंह से मुलाकात कर चुके हैं।

बता दें कि परविंदर सिंह झोटा की 13 अक्टूबर 2026 को मानसा में एक केमिस्ट की दुकान पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले को 20 दिन पूरे हो चुके हैं और मांगें पूरी न होने तक परिवार और एक्शन कमेटी ने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया है। ऐसे में झोटा का शव अभी भी मानसा सिविल अस्पताल के शवगृह में रखा हुआ है।

धीरेन्द्र ...

दिग्विजय सिंह के छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने भी धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर लोगों से कथावाचक का बहिष्कार करने की अपील की है।दिग्विजय सिंह और लक्ष्मण सिंह के रुख से अलग उनके बेटे जयवर्धन सिंह धीरेंद्र शास्त्री के अनुयायी बताए जाते हैं। उनकी पत्नी और बेटा भी कथावाचक के अनुयायी हैं। कुछ समय पहले जयवर्धन सिंह ने धीरेंद्र शास्त्री को राघौगढ़ किले में आमंत्रित किया था। इस दौरान वहां धार्मिक आयोजन भी कराया गया था।

नौसेना...

उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम है। उन्होंने पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।उन्होंने कहा कि यह अभियान दर्शाता है कि भारत किसी भी कठिन परिस्थिति में लोगों की मदद करने और समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 03 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भाग्यलक्ष्मी माता के दरबार में अमित शाह





हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की महापदयात्रा में शामिल होने से पहले हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के निकट स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर पहुंचकर दर्शन किए तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने माता के समक्ष पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र, मंदिर ट्रस्टी सुश्री शशिकला सहित अन्य भाजपा नेता एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंदिर पहुंचने पर अमित शाह का स्वागत किया गया। पूजा-अर्चना के दौरान उपस्थित नेताओं एवं मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने भी माता के दर्शन किए। इसके बाद अमित शाह भाजपा की महापदयात्रा के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

पित्ती ट्रस्ट-पित्ती इंजीनियरिंग ने करवाया विद्यालय का निर्माण



हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के सहयोग से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के गंगापुर तालुका स्थित रहीमपुर गांव में जिला परिषद प्राथमिक पाठशाला का निर्माण करवाया गया है।

लगभग 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस विद्यालय से रहीमपुर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों विद्यार्थियों को शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शिक्षा सहायता योजना के तहत निर्माण

अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट जनकल्याण के उद्देश्य से विभिन्न सेवा योजनाएं संचालित कर रहा है। इनमें शिक्षा सहायता योजना प्रमुख है। इसी योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के रहीमपुर ग्रामवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक विद्यालय का निर्माण करवाया गया है।

यह निर्माण पित्ती ट्रस्ट तथा पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के चेयरमैन एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी शरद बी. पित्ती की प्रेरणा से लगभग 25 लाख रुपये की लागत से पूरा कराया गया है। इस विद्यालय के शुरू होने से रहीमपुर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और उन्हें शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि पित्ती ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके तहत लोहिया संत न्यास के सहयोग से दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में लगभग 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की जाएगी।इस छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पिछले दिनों 700 से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन प्रस्तुत किए हैं। वर्तमान में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा का कार्य प्रगति पर है।

अराजकता हटाओ के संकल्प के साथ भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जनसभा में लिया भाग



हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा एवं जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिकंदराबाद महाकाली जिला व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर व्यापार प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, जनहित के मुद्दों को उठाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के संकल्प के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में तेलंगाना व्यापार प्रकोष्ठ के सह-संयोजक सतीश जाजू सहित सिकंदराबाद महाकाली जिला व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक प्रदीप अग्रवाल तथा सह-संयोजक संतोष अग्रवाल, प्रतीक पटेल और सीमा अग्रवाल ने भाग लिया। सभी पदाधिकारियों ने पदयात्रा एवं जनसभा में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराते हुए संगठनात्मक एकजुटता का परिचय दिया।

इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्यों में गोपाल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, राजेश केडिया और विजय कुंचल सहित अन्य सदस्यों की सहभागिता रही। सभी ने पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होकर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भूखे के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरे लिए सबसे बड़ा पुण्य है: सुनीता अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास सोमवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके लिए सबसे बड़ा पुण्य और आत्मसंतोष का कार्य है। उन्होंने कहा कि इंसान की असली पहचान उसके धन-दौलत से नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपी सेवा और संवेदना की भावना से होती है।

किसी जरूरतमंद की भूख मिटाना केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य जिस निस्वार्थ भावना, समर्पण और सेवाभाव के साथ नियमित अन्नसेवा कर रहे हैं, वह समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। सेवा के इस पुनीत कार्य में सभी का सहयोग और सहभागिता यह संदेश देती है कि जब समाज के लोग एकजुट होकर आगे आते हैं, तो किसी भी जरूरतमंद के जीवन में खुशियां लाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य में किसी प्रकार का भेदभाव या दिखावा नहीं होना चाहिए। सच्ची सेवा वही है, जिसमें दूसरों का दुख देखकर मन में मदद करने की भावना जागृत हो।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, भाकराम कुमावत, निर्मला देवी, जगत गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।



मानव कल्याण सेवा संघ के अध्यक्ष मनोहर सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आगामी छठ पूजा के आयोजन के संदर्भ में कोठापेट स्थित टीपीओ अधिकारी एवं जोनल कमिश्नर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने एलबी नगर के मंसूराबाद स्थित पेद्दाचेरुवु में छठ पूजा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने की मांग की। इस अवसर पर आदित्य सिंह, वर्मा रेड्डी, जी. श्रीनिवास राव, एन. रामेश्वर, के. कृष्णा ठाकुर, बृजेश सिंह एवं सी. चरण उपस्थित थे।



अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एवं दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के संयुक्त सचिव महेश अग्रवाल ने उत्तराखंड प्रवास के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री चौबे का आत्मीय मार्गदर्शन और स्नेह उनके लिए प्रेरणादायी रहा।



भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ' पदयात्रा में भाग लेते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, गणेश कुंड, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पारस यादव, ओबीसी मोर्चा की प्राची जैन एवं भाजपा नेता विष्णु दादा रोहित।

ब्रह्माकुमारीज़ का दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास से संपन्न



हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दीपों का त्योहार दीपावली हम सभी के जीवन में नई रोशनी, नई उम्मीदें और खुशियां लेकर आए तथा प्रत्येक व्यक्ति का जीवन सदैव आनंदमय बना रहे। यह विचार तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने व्यक्त किए।

सोमवार को चेलापुरा ब्रह्माकुमारीज़ शाखा के तत्वावधान में शालीबंडा स्थित सुधा टॉकीज के निकट भारत गुण वर्धक संस्था के सभागार में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य रूप से शामिल हुए डॉ. राज नारायण मुदिराज ने कहा कि दीपावली भारत के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। इसे देशभर में लोग बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां, सकारात्मकता और नई ऊर्जा लेकर आता है।

चेलापुरा ब्रह्माकुमारीज़ शाखा की संचालिका राजिनी बहन ने कहा कि आत्मा रूपी ज्योति को प्रज्वलित कर परमपिता परमात्मा शिव की स्मृति में जीवन व्यतीत करना ही दीपावली का वास्तविक आनंद है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर की आत्मज्योति जागृत कर परमात्मा की स्मृति में रहते हुए जीवन में सुख, शांति और आनंद का संचार करना चाहिए।

इस अवसर पर हिमायतनगर ब्रह्माकुमारीज़ शाखा के संचालक भाई आनंद ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और राजयोग ध्यान के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने आध्यात्मिक चिंतन एवं ध्यान के माध्यम से जीवन में सकारात्मकता और आंतरिक शांति बनाए रखने का संदेश दिया।

समारोह का शुभारंभ राजिनी बहन, शिरीषा बहन, शक्ति बहन, प्रशांता बहन और सविता बहन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने संदेश दिया कि दीपावली केवल बाहरी दीप जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि अपने अंतर्मन की आत्मज्योति को जागृत करने और परमात्मा की स्मृति में रहकर जीवन को प्रकाशमय बनाने का अवसर भी है।

दीपावली समारोह के अंतर्गत विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इनमें भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों की सुंदर झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को आकर्षित किया और समारोह को विशेष बना दिया।

इस दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पुराने शहर की विभिन्न ब्रह्माकुमारीज़ शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

रेवंत रेड्डी का स्वच्छ और ट्रैफिक सिग्नल मुक्त शहर बनाने पर जोर

कचरा संग्रहण और अपशिष्ट प्रबंधन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, निर्माण अपशिष्ट के निस्तारण तथा भूमिगत और एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के निर्देश



हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को नगर निगम अधिकारियों को हैदराबाद को स्वच्छ और ट्रैफिक सिग्नल मुक्त शहर बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कचरा संग्रहण, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन और यातायात नियंत्रण के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर नगर निगम अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि शहर में कहीं भी कचरा पड़ा हुआ नहीं मिलना चाहिए और घर-घर से प्रतिदिन कचरा संग्रहण अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने इस व्यवस्था की लगातार निगरानी करने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

रेवंत रेड्डी ने निर्माण कार्यों से निकलने वाले मलबे के संग्रहण और परिवहन के लिए विशेष व्यवस्था करने को कहा। नगर निगम की सीमा में आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्र स्थानीय प्राधिकरण (आईएएलए) के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर निर्माण अपशिष्ट का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से शोधित जल का उपयोग निर्माण कार्यों, हरियाली के रखरखाव, लैंडस्केपिंग, बागवानी और पार्कों के विकास में पेयजल के स्थान पर करने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रीन वाटर टैंकरों के बारे में लोगों को जागरूक करने और उनका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने याद दिलाया कि हैदराबाद महानगर जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने पहले चरण में 19 एसटीपी से जुड़े 28 टैंकरों के माध्यम से ग्रीन वाटर टैंकर सेवा शुरू की थी। मुख्यमंत्री ने स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), साइबराबाद नगर निगम और मल्काजगिरी नगर निगम की सीमाओं में शोधित जल की आपूर्ति का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैर-पेयजल आवश्यकताओं के लिए शोधित सीवेज जल का उपयोग करने से पीने के पानी की बचत होगी।

सिग्नल मुक्त यातायात व्यवस्था की तैयारी

यातायात प्रबंधन पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और ट्रैफिक जाम की समस्या का स्थायी समाधान तलाशने को कहा। उन्होंने आवश्यकतानुसार अंडरपास और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कर सिग्नल मुक्त यातायात व्यवस्था विकसित करने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वाहनों को ट्रैफिक सिग्नल पर रुके बिना लगातार आवागमन की सुविधा मिलनी चाहिए। इसके लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

बैठक में सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्यमंत्री के सचिव के. मणिक्का राज, हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के आयुक्त सरफराज अहमद, साइबराबाद नगर निगम की आयुक्त जी. सृजना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रिफाइनरी में भीषण आग

पांच दमकल वाहनों ने संभाला मोर्चा, कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया; कोई जनहानि नहीं



विशाखापत्तनम, 03 नवंबर।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की विशाख रिफाइनरी के मालकापुरम स्थित सल्फर पिच में सोमवार रात करीब 10.15 बजे अचानक आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, आग लगने का संभावित कारण ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन को बताया जा रहा है। आग पर काबू पाने के बाद भी प्रभावित क्षेत्र में कूलिंग की कार्रवाई जारी रही। फिलहाल आग से हुए नुकसान का आकलन नहीं किया जा सका है।

कारखाना विभाग के उप निरीक्षक वी. सुरेश ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए एचपीसीएल के पांच दमकल वाहनों को तैनात किया गया था। आग को नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन सल्फर पिच से धुआं लगातार उठ रहा था, जिससे कर्मचारियों और आम लोगों में चिंता बनी रही।

क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी निरंजन रेड्डी ने बताया कि दो स्थानों पर आग की लपटें अभी भी उठ रही थीं। दमकल कर्मियों की ओर से फोम का इस्तेमाल कर आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे थे।आग की घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। एहतियात के तौर पर कर्मचारियों को परिसर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। निरंजन रेड्डी के अनुसार, आग लगने से पहले कर्मचारियों ने विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद आग फैल गई।

ग्वालियर में 118 फील्ड रेजिमेंट का वार्षिक मिलन समारोह, देशभर से पूर्व सैनिकों ने लिया भाग



ग्वालियर, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 118 फील्ड रेजिमेंट (फायर थ्रोअर्स) की ओर से 1 नवंबर 2026 को ग्वालियर में वार्षिक 'वीर नारी एवं पूर्व सैनिक मिलन समारोह' आयोजित किया गया। रेजिमेंट के आदर्श वाक्य 'विजय कर्तव्य हमारा' के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में देशभर से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके परिवारों ने भाग लिया।

समारोह में मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दक्षिण भारत और तेलंगाना राज्य अध्यक्ष, श्रीमती अनुराधा राव, मेजर जनरल श्रेया मेहता (सेवानिवृत्त), कर्नल मोहम्मद अली, सूबेदार मेजर एस.एस. राणा और सूबेदार मुन्नी सिंह चौहान सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वीर नारियों को सम्मानित किया गया तथा पूर्व सैनिकों ने अपने लगभग 40 वर्षों के सैन्य सेवाकाल की यादें साझा कीं। सभी प्रतिभागियों को उपहार एवं समारोह के विशेष शर्ट बैज भेंट किए गए। समारोह के सफल आयोजन में सूबेदार मेजर मुन्नी सिंह के नेतृत्व में टीम ग्वालियर का विशेष योगदान रहा।

60 लाख के नकली नोट जब्त

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर युवक गिरफ्तार, जयपुर से मुंबई ले जा रहा था जाली करेंसी; साथी फरार

हैदराबाद, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 60 लाख रुपये के नकली भारतीय नोटों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी जयपुर से मुंबई तक नकली करेंसी पहुंचाने जा रहा था। पुलिस ने उसके पास से 500 रुपये के नकली नोटों के 12 बंडल बरामद किए हैं। इस मामले में उसका साथी फरार है।

संयुक्त अभियान में गिरफ्तारी

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेलवे इंस्पेक्टर साई ईश्वर गौड़ ने बताया कि रेलवे पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों एवं प्लेटफॉर्मों पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर खड़ी मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 18519) के सामान्य श्रेणी के डिब्बे में एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। उसकी तलाशी लेने पर बैग से 60 लाख रुपये के नकली नोट बरामद हुए।



गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के बीकानेर जिले के निवासी शिवरतन माहिया (19) के रूप में हुई है। इस मामले में उसका साथी ओमप्रकाश (25) फरार है।

2.20 लाख रुपये देने का था लालच

रेलवे इंस्पेक्टर के अनुसार, कुछ महीने पहले शिवरतन की पहचान ओमप्रकाश से हुई थी। ओमप्रकाश नकली नोटों की खरीद-फरोख्त और उन्हें मुंबई पहुंचाने का काम करता था। वह पहले भी राजस्थान में आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। आर्थिक परेशानी के चलते शिवरतन ने ओमप्रकाश से काम मांगा था। इस पर ओमप्रकाश ने नकली नोट मुंबई पहुंचाने के बदले उसे 2.20 लाख रुपये देने का वादा किया था।

जयपुर से शुरू हुआ सफर

पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर को जयपुर रेलवे स्टेशन पर ओमप्रकाश ने शिवरतन को एक बैग दिया था। उसमें 500 रुपये के नकली नोटों के 12 बंडल रखे हुए थे। उसे पहले काचीगुड़ा और फिर मुंबई पहुंचाने का निर्देश दिया गया था।

शिवरतन 29 अक्टूबर को मैसूरु एक्सप्रेस से रवाना हुआ और 30 अक्टूबर की रात करीब 12.10 बजे काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां एक होटल में रात बिताने के बाद अगले दिन सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचा।

कोंकण एक्सप्रेस रद्द होने से बदला रास्ता

इसी दौरान बाढ़ के कारण कोंकण एक्सप्रेस रद्द हो गई। इसके बाद ओमप्रकाश के निर्देश पर शिवरतन ने 31 अक्टूबर को मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस से यात्रा शुरू की। दोपहर करीब 1.30 बजे जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने नकली नोट मुंबई में एक अन्य व्यक्ति तक पहुंचाने की बात स्वीकार की।

आईफोन और यात्रा टिकट भी जब्त

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 60 लाख रुपये के नकली नोट, एक आईफोन-14, रेल यात्रा टिकट और काले रंग का बैग जब्त किया है।

आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के तहत विशेष अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है। वहीं, फरार आरोपी ओमप्रकाश की तलाश जारी है।

सूखे के लिए प्रकृति जिम्मेदार : प्रेम सागर राव

किसानों से दूसरी फसल नहीं लगाने और पानी बचाने की अपील



मंचेरियाल, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने राज्य में सूखे की स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक घटनाओं के कारण सूखे जैसी परिस्थितियां पैदा हो रही हैं।सोमवार को एम. कन्वेंशन हॉल में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि एलमपल्ली और कडेम परियोजन-ाओं में पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। हालांकि, सिंचाई की स्थिति को देखते हुए किसानों से दूसरी फसल नहीं लगाने और पानी की बर्बादी रोकने की अपील की। उन्होंने कडेम नहरों में दरारों के कारण 42वीं डिस्ट्रीब्यूटरी तक पानी नहीं पहुंचने की जानकारी भी दी।

उन्होंने सिंगरेनी कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। पत्रकार वार्ता में पूर्व डीसीसी अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा, मेयर धरनी मधुकर सहित कांग्रेस के जनप्रतिनिधि एवं नेता उपस्थित रहे।

नई सीसी सड़क का बोहिनी दर्शन ने किया शुभारंभ



हैदराबाद, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीयागुडा डिवीजन के पूर्व कॉर्पोरेटर बोहिनी दर्शन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण ने सोमवार सुबह 11 बजे साई दुर्गा नगर स्थित बंगारू मैसम्मा मंदिर के पास नवनिर्मित सीसी सड़क का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पुरानी सड़क खराब होने से स्थानीय लोगों को परेशानी और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा था। नई ड्रेनेज लाइन बिछाने के बाद सड़क का निर्माण कराया गया है, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

इस दौरान क्षेत्र की महिलाओं ने पेयजल की कम आपूर्ति की समस्या से भी अवगत कराया। बोहिनी दर्शन ने वाटर वर्क्स के सेक्शन मैनेजर एम. चंद्रमोहन से संपर्क कर समस्या का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में टीडीपी नेता नरसिंह राव, भाजपा नेता मनीष जैन, एन. जगदीश, श्रीनाथ गौड़, श्रीनिवास तथा स्थानीय निवासी एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

इलाज में खर्च हुए 30 लाख, सरपंच परिवार पर 50 लाख रुपये का कर्ज



मदनूर, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीआरएस पार्टी के दलित विंग के कामारेड्डी जिला अध्यक्ष एम. संजीव मदिगा एवं बांदीवार हनमनलु ने मदनूर मंडल के छोटा सक्करगा गांव के सरपंच दिगंबर से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।परिवार के सदस्यों के अनुसार, मौजूदा विधायक की बेटी के विवाह के निमंत्रण पत्र बांटकर लौटते समय सरपंच गलती से गिर गए थे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में उनके इलाज पर अब तक करीब 30 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। इसके लिए परिवार को जमीन और घर तक बेचना पड़ा।परिजनों ने बताया कि सरपंच चुनाव के दौरान करीब 20 लाख रुपये और इलाज के लिए 30 लाख रुपये का कर्ज लिया गया है।

सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में 'कारोबार 9.0 सूर्यभारत जननेक्स्ट स्टार्टअप फेस्ट' का आयोजन



पुणे, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के बावधन परिसर में 'कारोबार 9.0 सूर्यभारत जननेक्स्ट स्टार्टअप फेस्ट' आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमशीलता, नवाचार, व्यावसायिक कौशल और रोजगार सृजन की सोच विकसित करना था।

विशेष पुलिस महानिरीक्षक सुनील फुलारी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है। इस अवसर पर पुलिस सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने कहा कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, उद्यमशीलता और रोजगार सृजन की मानसिकता विकसित करना संस्थान की प्राथमिकता है। प्रदर्शनी में बीबीए और एमबीए के विद्यार्थियों ने मेक माय ट्रिप, जोमैटो, पेटीएम, ओला, फोनपे, जेप्टो, जोहो और जेरोधा सहित 40 से अधिक प्रमुख ब्रांडों के कारोबारी मॉडल, विपणन रणनीतियों और नवाचारों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में पुणे इंटरनेशनल सेंटर के उपनिदेशक हृषीकेश धांडे, उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया, अधिष्ठाता प्रो. डॉ. प्रतीक्षा वाबळे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षित कुशल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में यज्ञ को देव आराधना, आत्मशुद्धि, त्याग, संकल्प और लोककल्याण का पवित्र माध्यम माना गया है।

मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुतियां अर्पित करने और सामूहिक प्रार्थना के माध्यम से व्यक्ति अपनी आस्था एवं जीवन-मूल्यों के प्रति सजग होता है।

42 वर्षों की सेवाओं के बाद रामचंदर गायकवाड़ सेवानिवृत्त



निजामाबाद, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जेडपीएचएस कोटागल्ली के प्रधानाध्यापक रामचंदर गायकवाड़ के 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने पर निजामाबाद में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता, महापौर के. उमरानी और वरिष्ठ पत्रकार बंडा संगारेड्डी सहित गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनके 42 वर्षों के शिक्षण एवं सामाजिक जीवन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हजारों विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा गरीब छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वे एससी-एसटी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष और दलित कल्याण समिति के जिला महासचिव के रूप में भी सक्रिय रहे। समारोह में परिवार के सदस्यों, साथी शिक्षकों, दलित संगठनों के नेताओं और विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्टून कॉर्नर



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.